RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:257 ता. 08 अप्रेल 2023, शनिवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

अब दिल्ली में प्रॉपर्टी का रजिस्ट्रेशन हो जाएगा आसान, दलालों पर लग जाएगा लगाम

नई दिल्ली। संपत्ति की खरीद-बिक्री के लिए अब दिल्लीवालों को लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। राजधानी में संपत्ति का पंजीकरण किसी भी सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में कराया जा सकेगा। इसके लिए दिल्ली को एक जिले के रूप में घोषित किया जाएगा। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने इस बाबत अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। दिल्ली के हर जिले में सब-रजिस्ट्रार कार्यालय हैं, लेकिन इनमें उसी क्षेत्र की संपत्ति की खरीद-बिक्री का पंजीकरण किया जाता है। इससे लोगों को लंबा इंतजार करना पड़ता है। कुछ लोग भ्रष्टाचार और उत्पीड़न का शिकार भी हो जाते हैं। सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों में भ्रष्टाचार और नागरिकों के उत्पीड़न को दूर करने के लिए उपराज्यपाल ने संपत्ति पंजीकरण के लिए दिल्ली को एक जिला घोषित करने के लिए कहा है। इससे पहले इस तरह का प्रयोग 2015 में आंध्र प्रदेश में किया जा चुका है। वहां किसी भी सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में जाकर राज्य के किसी भी जिले में संपत्ति का पंजीकरण कराया जा सकता है। इस कदम से संपत्ति पंजीकरण के लिए नागरिकों को किसी एक निश्चित सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में जाने की जरूरत नहीं होगी। उपराज्यपाल के इस कदम से भ्रष्टाचार पर प्रभावी रोक लगने की उम्मीद है। इसके साथ ही किसी भूमि के स्टेटस को लेकर राजस्व विभाग द्वारा जारी की जाने वाली अनापत्ति को भी पूरी तरह ऑनलाइन किया जाएगा। इसमें किसी तरह के मानवीय हस्तक्षेप की जरूरत नहीं होगी। राजनिवास के मुताबिक, उपराज्यपाल ने बुधवार को सतर्कता विभाग, एसीबी, नगर निगम, डीडीए और एनडीएमसी के सीवीओ के प्रदर्शन के कामकाज की समीक्षा के दौरान इस बाबत निर्देश दिए। एलजी ने छात्रवृत्ति, पेंशन, स्कॉलरशिप आदि का भुगतान डीबीटी के माध्यम से केवल बैंक खाते में करने के लिए कहा है।

अमृतपाल का समय पूरा? एजेंसियां अलर्ट, पुलिस की छुट्टियां रद्द, पंजाब में कुछ बड़ा होने के आसार

भगौड़े अमृतपाल का समय पूरा हो गया है। ऐसा इसलिए क्योंकि हाल ही में जारी किए वीडियो में सरबत खालसा का आह्वान किया था। उसकी यह मांग सिख संगठनों ने नकार दी है। सूत्रों का कहना है कि सिख संगठनों का मानना है कि अमृतपाल की वजह से सिख समुदाय की बदनामी हुई है। इसीलिए अमृतपाल अब अलग-थलग पड़ चुका है।

एजेंसी

चंडीगढ़। भगौड़े अमृतपाल सिंह को पकड़ने के लिए पंजाब पुलिस पिछले तीन सप्ताह से कोशिश में है लेकिन, खालिस्तान समर्थक अमृतपाल पुलिस को लगातार छका रहा है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि अमृतपाल अब पंजाब पुलिस के लिए जी का जंजाल बन गया है। उसकी गिरफ्तारी पुलिस के लिए नाक का सवाल बन गई है। आज श्रीअकाल तख्त के जत्थेदार के विशेष सभा के बुलावे पर अमृतपाल के आने का अंदेशा है। तमाम सुरक्षा एजेंसिया सतर्क हो गई हैं। वहीं, पंजाब में पुलिस के आला अफसरों ने 14 अप्रैल तक सभी छुट्टियों पर रोक लगा दी है। सूत्रों का कहना है कि पंजाब में कुछ बड़ा होने का अंदेशा है। पता लगा है कि भगोड़ा अमृतपाल 14 अप्रैल से पहले सिख संगठनों से मुलाकात कर सकता है।

अमृतपाल करेगा सरेंडर!

पुलिस सूत्रों का कहना है कि आज अमृतपाल सिंह सरेंडर कर सकता है। हालांकि फरार अवधि में उसने दो वीडियो और एक ऑडियो जारी कर सरेंडर न करने की बात कही थी। उसने यह कहा था कि वो अपने लोगों के बीच आएगा लेकिन, पुलिस के सामने सरेंडर नहीं करेगा। उधर, श्रीअकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने दमदमा साहिब में विशेष सभा का आयोजन किया है। बताया जा रहा है कि अमृतपाल आज विशेष सभा में उपस्थित होकर सरेंडर कर सकता है। अमृतपाल की गिरफ्तारी को लेकर तमाम एजेंसियां सतर्क हैं और चप्पे-चप्पे पर सादी वर्दी में पुलिस की टीम मौजूद है।

अमृतपाल का समय पूरा?

भगौड़े अमृतपाल का समय पूरा हो गया है। ऐसा इसलिए, क्योंकि हाल ही में जारी किए वीडियो में सरबत खालसा का आह्वान किया था। उसकी यह मांग सिख संगठनों ने नकार दी है। सूत्रों का कहना है कि सिख संगठनों का मानना है कि अमृतपाल की वजह से सिख समुदाय की बदनामी हुई है। इसीलिए अमृतपाल अब अलग-थलग पड़ चुका है।

पुलिस की छुट्टियां रद्द

पंजाब पुलिस फोर्स के लिए अमृतपाल की गिरफ्तारी नाक का सवाल बन गई है। तकरीबन तीन सप्ताह से वह पुलिस को राज्य दर राज्य छका रहा है। उसकी गिरफ्तारी पुलिस के लिए अनिवार्य हो गई है। हालांकि अमृतपाल के करीब 114 साथी पुलिस की गिरफ्त में हैं। पुलिस ने अमृतपाल की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए योजना बनाई है। इसी क्रम में पुलिस फोर्स ने 14 अप्रैल तक सभी छुट्टियां रद्द कर दी है।

बैसाखी से पहले कुछ बड़ा होने के आसार–पुलिस को अंदेशा है कि 14 अप्रैल से पहले अमृतपाल सिख संगठनों से मुलाकात कर सकता है। इससे पहले अमृतपाल अपनी अगली रणनीति की तरफ जाए, पुलिस उसे कोई मौका नहीं देना चाहती। पुलिस फोर्स योजनाबद्ध तरीके से अमृतपाल पर शिकंजा कस रही है। 14 अप्रैल से पहले पुलिस पंजाब में बड़े ऐक्शन की तैयारी कर रही है।

ढाई मिनट में 150 राउंड फायरिंग, अतीक अहमद के परिवार का एक और वीडियो वायरल

एजेंसी

प्रयागराज। उमेश पाल हत्याकांड के बाद अतीक का पुराना वीडियो लगातार वायरल किया जा रहा है। गुरुवार को एक और वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ। इसे अतीक की पाठशाला के नाम से टैग किया गया। इस वीडियो में एक शादी समारोह में अतीक अपने दूसरे नंबर के बेटे अली को ऑटोमेटिक पिस्टल से फायरिंग करना सिखा रहा है। वर्ष 2016 के इस वीडियो में अतीक का बेटा अली पिस्टल से तबाड़तोड़ हवाई फायरिंग कर रहा है। वीडियो में दूसरी तरफ से अशरफ भी फायरिंग कर रहा है। इस 2~30 मिनट की वीडियो में तकरीबन डेढ़ सौ राउंड फायरिंग की जाती है। आपको बता दें कि 2016 के इस वायरल वीडियो में अतीक के साले शमी अहमद शादी में अशरफ समेत अन्य अतीक के गुर्गे बैठे दिखाई दे रहे हैं। अतीक की गुर्गे हवाई फायरिंग कर रहे हैं। 2:30 मिनट की वीडियो में तकरीबन डेढ़ सौ राउंड फायरिंग की जाती है। अशरफ के साथ ही अतीक का बेटा अली बैठा दिखाई दे रहा है।

अशरफ से पिस्टल देकर फायरिंग करने के लिए कहता है। अली फायरिंग की कोशिश करता है लेकिन गोली नहीं चलती है। इसके बाद अशरफ दोबारा पिस्टल लोड करके अली को देता है जिसके बाद अली कई राउंड फायरिंग करता है। अगल-बगल बैठे लोग अली को शाबाशी देते हैं। अली के फायरिंग करते ही एक साथ कई राउंड राइफल पिस्टल ओं की फायरिंग शुरू हो जाती है।

दिल्ली-एनसीआर में फिर सताएगी गर्मी; इतने डिग्री पहुंचेगा पारा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई इलाकों में मार्च के आखिरी महीने में बारिश और ओलावृष्टि के कारण मौसम सुहाना बना रहा था। अब बारिश बंद हो गई है इसी के साथ अप्रैल की शुरूआत से दिल्ली-एनसीआर का तापमान बढ़ना शुरू हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार, इस हफ्ते दिल्ली-एनसीआर का तापमान 34 से 35 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। आइये जानते हैं कैसा रहेगा हफ्तेभर का मौसम...

उत्तर भारत समेत दिल्ली-एनसीआर में बारिश बंद होने के बाद राहत मिली है लेकिन अगले हफ्ते का मौसम परेशान करने वाला हो सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर के तापमान में इस हफ्ते 3 से 5 डिग्री की बढ़त देखी जा सकती है। आने वाले

हफ्ते में दिल्ली का तापमान 34 डिग्री तक वहीं एनसीआर में आने वाले गुरुग्राम का तापमान 36 डिग्री तक जाने का अनुमान है।

गाजियाबाद-नोएडा में कैसा रहेगा मौसम–गाजियाबाद-नोएडा इलाके में 6 अप्रैल को न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया वहीं अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, एनसीआर इलाके में बारिश के आसार नहीं दिख रहे हैं साथ ही आसमान साफ रहने की उम्मीद है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में नोएडा और गाजियाबाद में गर्मी बढ़ेगी और अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है।

गुरुग्राम के मौसम का हाल

दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों की तरह ही गुरुग्राम में भी आने वाले दिनों में गर्मी बढ़ने की पूरी संभावना है। मौमस विभाग के अनुसार, छह अप्रैल को गुरुग्राम का अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस तक गया। छह अप्रैल को गुरुग्राम में आसमान साफ रहा लेकिन आने वाले दिनों गुरुग्राम के आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों गुरुग्राम का अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस तक जाएगा।

यूट्यूबर मनीष कश्यप को एससी से नहीं मिली राहत, 10 अप्रैल को अगली सुनवाई

एजेंसी

पटना। तमिलनाडु प्रकरण में फर्जी खबरें और फेक वीडियो वायरल करने के मामले में यू ट्यूबर मनीष कश्यप की मुश्किलें खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। तमिलनाडु में मनीष कश्यप पर एनएसए के तहत केस दर्ज किया है। कश्यप की ओर से सुप्रीम कोर्ट में दाखिल अर्जी में उनके खिलाफ दर्ज प्राथिमिकियों को एख साथ जुड़ने की मांग की गई है। जिस पर अब अगली सुनवाई 10 अप्रैल को होगा।

19 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में मनीष

तमिलनाडु में बिहार के प्रवासी मजदूरों पर हमले का फर्जी वीडियो प्रसारित करने आरोप में गिरफ्तार यूट्यूबर मनीष कश्यप पर तमिलनाडु में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है। मदुरै के पुलिस अधीक्षक शिव प्रसाद ने कहा कि मनीष कश्यप को एनएसए अधिनियम के तहत हिरासत में लिया गया है। मनीष कश्यप पर ये कार्रवाई बुधवार को मदुरै की एक स्थानीय

अदालत की ओर से 19 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद हुई है।

तमिलनाडु में दर्ज हैं 17 मामले

बीते सप्ताह ही तमिलनाडु पुलिस की टीम ने कोर्ट से प्रोडक्शन वारंट लेकर मनीष को पटना से तमिलनाडु ले गई थी। वहां मदुरै कोर्ट में पेश किया गया था। कोर्ट ने पुलिस को तीन दिन की रिमांड दी थी। मनीष कश्यप पर तमिलनाडु में 17 मामले दर्ज है।

दिल्ली के अस्पतालों का हाल, डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ की कमी; वेंटीलेटर चलाने वाले भी नहीं; मरीज परेशान

एजेंसी

नई दिल्ली। आज विश्व स्वास्थ्य दिवस है। कोरोना महामारी ने बताया है कि स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावी बनाना कितना जरूरी है। हालांकि, महामारी से उपजी चुनौतियों के बाद दुनियाभर में स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर करने पर ध्यान दिया गया है, लेकिन अभी भी इसे बहुत अच्छी स्थिति नहीं कही जा सकती। राजधानी के अस्पतालों में कहीं डॉक्टरों की कमी है, तो कहीं संसाधन ही नहीं हैं। कई अस्पतालों में तो मरीजों को दर-दर भटकना पड़ रहा है...

देश में 10 हजार आबादी पर सिर्फ 7 डॉक्टर

भारत में आबादी और डॉक्टर और नर्सों का बीच का अनुपात बहुत कम है। इसका मतलब है कि नागरिकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित चिकित्सा पेशेवरों की कमी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार देश में हर 10,000 आबादी के लिए 7.27 डॉक्टर हैं, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन 10 हजार आबादी पर कम से कम 10 डॉक्टरों की सिफारिश करता है। पीएचसी, सीएचसी में कई राज्यों में डॉक्टरों की संख्या घटी है। यूपी के मुरादाबाद से आई नमिता एम्स दिल्ली में अपनी हड्डी के ट्यूमर का इलाज कराने के लिए 2020 से चक्कर लगा रही हैं। पिछले तीन वर्षों में सर्जरी के लिए उसे पांच बार तारीख मिल चुकी है, लेकिन सर्जरी नहीं हो सकी। दिल्ली के कई अस्पतालों में कहीं डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ की कमी है तो कहीं संसाधन ही नहीं हैं। कैंसर से पीड़ित मरीज राकेश को रेडियोथेरेपी की तारीख नहीं मिल पा रही है। सुरेश अपनी पत्नी की एमआरआई जांच के एक साल बाद मिली तारीख के लिए परेशान हैं। जावेद अपने छोटे बच्चे की दिल की सर्जरी के लिए दो वर्षों में 20 से अधिक बार एम्स के चक्कर लगा चुके हैं, लेकिन उनके सर्जरी नहीं हो पा रही है। राजधानी में देश के सबसे बड़े मेडिकल संस्थान एम्स का यह हाल है। ऐसे में अन्य अस्पतालों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है।

नर्सों के 30 से 50 फीसदी पद खाली

दिल्ली के कई अस्पतालों में नर्सों के 30 से 50 फीसदी तक पद खाली हैं। ऑल इंडिया गवर्नमेंट नर्स फेडरेशन के मुताबिक लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज से जुड़े अस्पतालों में वरिष्ठ नर्स कर्मचारियों के 50 फीसदी पद खाली हैं। पिछले नौ साल से यहां किसी नर्स को प्रोमोशन नहीं मिला है। वरिष्ठ नर्स कर्मियों के अभाव में अस्पताल की नर्सिंग सेवा बुरी स्थिति में है। साल के अंत तक नर्सिंग सेवाएं ठप होने की आशंका फेडरेशन ने कहा कि अगर ऐसा ही हाल रहा तो इस साल के अंत तक अस्पताल की नर्सिंग सेवाएं ठप होने के कगार पर आ जाएंगी। 2023 के अंत तक अस्पताल में एक भी डीएनएस नर्स अधिकारी नहीं होगा। यहां 42 एएनएस के स्वीकृत पदों में सिर्फ दो एएनएस ही बचेंगी। यही हाल दिल्ली के अन्य सरकारी अस्पतालों का है। दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान में डॉक्टरों के आधे स्वीकृत पद खाली पड़े हैं।

टकराव के चलते पूरी तरह धुला संसद का बजट सत्र, महज 5.29 फीसदी हुआ कामकाज

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण जब 13 मार्च से शुरू हुआ तो फिर वह अखाड़ा बना ही रहा। सत्ता पक्ष और विपक्षी दलों के बीच खास तौर दो मुद्दों ने ऐसा गतिरोध खड़ा कर दिया कि बजट पर चर्चा वाला महत्वपूर्ण सत्र भी पूरी तरह से धुल गया। अंतिम दिन गुरुवार को भी हंगामे के बीच संसद सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने के बाद यह आंकड़े देश की सबसे बड़ी पंचायत की तस्वीर दिखाते हैं कि लोकसभा 45 घंटे तो राज्यसभा की कार्यवाही मात्र 31 घंटे ही चल सकी।

लोकसभा में सिर्फ 35 फीसदी हुआ काम

पिछले कुछ सत्रों से लोकसभा में कामकाज लगभग सौ फीसद हुआ करता था जो इस बार 35 फीसद से भी कम पर अटक गया। दरअसल, दूसरे चरण में कामकाज महज 5.29 फीसद हुआ। संसद का बजट सत्र 31 जनवरी को शुरू हुआ। पहला चरण 13 फरवरी तक चला, जबकि 13 मार्च से शुरू हुए दूसरे चरण का अंतिम दिन गुरुवार को था। जिस तरह से सत्ता पक्ष और विपक्षी दल अपने-अपने मुद्दे पर अटके थे, उससे संकेत मिल गया था कि यह गतिरोध खत्म नहीं

होगा और बजट सत्र का धुलना तय है। हुआ भी यही। हर दिन लोकसभा और राज्यसभा के दृश्य रीप्ले की तरह ही दिखाई दिए।

हंगामे की भेंट चढ़ा सदन की कार्यवाही

वहीं, कांग्रेस की ओर से अदाणी मामले पर जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति गठित करने की मांग और नारेबाजी। इधर, भाजपा सदस्यों द्वारा राहुल गांधी से विदेश में भारतीय लोकतंत्र की आलोचना के लिए माफी की मांग। दोनों ओर से आरोप-प्रत्यारोप, हंगामा-नारेबाजी और अंततः कार्यवाही स्थगित।

आखिरी दिन लोकसभा की कार्यवाही छह मिनट में स्थगित

इसी तरह सत्र के आखिरी दिन लोकसभा की कार्यवाही लगभग छह मिनट में ही स्थगित कर दी गई। राज्यसभा की कार्यवाही भी इन्हीं मुद्दों पर पहले सुबह कुछ मिनट में स्थगित की गई। फिर दोपहर में दो बजे जब दोबारा कार्यवाही शुरू हुई तो सभापति जगदीप धनखड़ की ओर से सदस्यों की जानकारी दी गई कि सदन की प्रक्रिया की वीडियोग्राफी करने के मामले में कांग्रेस सांसद रजनी अशोक राव पाटिल की निलंबन अविध बजट सत्र के बाद तक के लिए बढ़ा दी गई है।

सिर्फ 45 घंटे चली लोकसभा की कार्यवाही–इस पर भी टकराव व हंगामा शुरू हो गया, जिसके बाद कार्यवाही को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। बजट सत्र के हश्र का निचोड़ यह है कि लोकसभा की कार्यवाही कुल 133.6 घंटे चलना निर्धारित किया गया था, लेकिन हर दिन हंगामा और स्थगन के चलते वह सिर्फ 45 घंटे (34.28 प्रतिशत) ही चल सकी। मतलब कि 88 घंटे हंगामे की भेंट चढ़ गए।

राज्यसभा की कार्यवाही 31 घंटे चली

वहीं, राज्यसभा की कार्यवाही के लिए 130 घंटे निर्धारित थे, लेकिन चली मात्र 31 घंटे (24 प्रतिशत)। उच्च सभा के 99 घंटे पक्ष-विपक्ष का टकराव लील गया। संसद के आंकड़ों के मुताबिक, लोकसभा में सिर्फ 4.32 घंटे ही प्रश्न लिए जा सके, जबकि राज्यसभा की स्थिति और खराब रही। वहां सिर्फ 1.

वर्क फॉम होम के नाम पर दो महिलाओं को लगाया लाखों का चूना

बेंगलुरु। दो महिलाओं को वर्क फॉम होम के नाम पर ठगों ने लागों का चूना लगा दिया। ताजा मामला गुरुग्राम से आया है, यहां कर्नाटक की रहने वाली एक महिला से घर से काम करने के नाम पर करीब आठ लाख रुपए ठग लिए गए। ठगों ने यूट्यूब चैनल को सब्सक्राइब कराने के नाम पर ठगी की। महिला ने गुरुग्राम पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। कर्नाटक की मूल निवासी सरिता एस. गुरुग्राम के सेक्टर 43 इलाके में रहती हैं। सरिता ने अपनी शिकायत में बताया कि उन्हें वाट्सएप पर एक मैसेज आया था जिसमें वर्क फॉम के जरिए पैसा कमाने की बात कही गई थी। इस मैसेज में लिखा था कि उन्हें शुरुआत में केवल एक यू ट्यूब चैनल की सदस्यता लेनी होगी जिसके लिए प्रति सब्सक्रिप्शन 50 रुपए देने होंगे। इसके बाद से ही उससे पैसे ऐंठने शुरु कर ?दिए। मानेसर पुलिस स्टेशन के साइबर क्राइम में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 419 (गलत पहचान बताकर धोखाधड़ी) और 420 (धोखाधड़ी) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई. पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए अपनी जांच शुरू कर दी है। इसी तरह बहुराष्ट्रीय कंपनी एमएनसी की एक महिला कर्मचारी से कथित तौर पर एक ठग ने ऑनलाइन धोखाधड़ी करके 76 लाख रुपए से अधिक की ठगी कर ली। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर बताया, दिव्या ने एक ऑनलाइन ऐप पर खाता बनाया था और उस पर कई बार पैसे जमा किए थे। पुलिस ने बताया कि महिला ने इसी तरह थोड़ा-थोड़ा करके 76 लाख रुपए से भी अधिक की राशि जमा करवायी। जिसके बाद महिला को एहसास हुआ की उसके साथ ठगी हुई है। पुलिस जांच करने में जुटी हुई है।

अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन की अग्रिम जमानत की अर्जी खारिज

प्रयागराज की सांसद/विधायक अदालत ने उमेश पाल हत्याकांड में नामजद आरोपी और माफिया अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन की अग्रिम जमानत की अर्जी बृहस्पतिवार को खारिज कर दी। जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) गुलाब चंद अग्रहरि ने बताया कि उमेश पाल हत्याकांड के मामले में एमपी /एमएलए न्यायालय के न्यायाधीश दिनेश चंद्र शुक्ल ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद आरोपी शाइस्ता परवीन की अग्रिम जमानत के प्रार्थना पत्र को बृहस्पतिवार को खारिज कर दिया। उन्होंने बताया कि 24 फरवरी, 2023 को शाम करीब पांच बजे उमेश पाल की हत्या कर दी थी। इस घटना में उनके गनर राघवेंद्र सिंह और संदीप निषाद भी मारे गए थे। अग्रहरि ने बताया कि अदालत ने परिस्थितियों और मामले की गंभीरता को देखते हुए अग्रिम जमानत की अर्जी खारिज कर दी। उल्लेखनीय है कि की घटना के अगले दिन 25 फरवरी को उमेश पाल की पत्नी जया पाल की तहरीर पर प्रयागराज के धूमनगंज थाना में अतीक अहमद, शाइस्ता परवीन, अशरफ, गुड्डू मुस्लिम, गुलाम और अन्य नौ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा)के विधायक राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह उमेश पाल के अपहरण के 17 साल पुराने मामले में 28 मार्च, 2023 को एमपी/एमएलए अदालत ने पूर्व सांसद अतीक अहमद, दिनेश पासी और खान शौलत हनीफ को सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। अदालत ने अपहरण के उक्त मामले में अतीक अहमद के भाई अशरफ समेत सात आरोपियों को सुबूतों के अभाव में बरी कर दिया था। इस मामले में कुल 11 अभियुक्तों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया था जिनमें से एक अभियुक्त की मौत सुनवाई के दौरान हो गयी थी।

अब समलैंगिक जोड़े भी ले सकेंगे बच्चे गोद

नई दिल्ली। अब समलैंगिक जोड़े भी बच्चे गोद ले सकेंगे। दरअसल, दिल्ली सरकार के बाल अधिकार संरक्षण आयोग (डीसीपीसीआर) ने सुप्रीम कोर्ट में एक अर्जी दाखिल की है जिसमें समलैंगिक विवाह को मान्यता देने की मांग वाली याचिकाओं के साथ सुनवाई की मांग की है। इसके साथ ही डीसीपीसीआर ने कहा है कि समलैंगिक जोड़ों को भी बच्चे गोद लेने की अनुमति दी जाए। इसके लिए याचिका में अलग-अलग तर्क दिए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट में पांच जजों के संविधान पीठ को 18 अप्रैल को इस मामले पर सुनवाई करनी है। याचिका के अनुसार, विषमलिंगी जोड़ों की तरह ही समलैंगिक जोड़े भी अच्छे या बुरे अभिवावक बन सकते हैं। दुनिया के 50 से ज्यादा देश समलैंगिक जोड़ों को बच्चा गोद लेने की इजाजत देते हैं। ऐसा कोई सबूत नहीं है कि समलैंगिक जोड़ों के बच्चों के मनोवैज्ञानिक विकास पर असर पड़ता है। याचिका में कानूनी समस्याओं पर भी दलील रखी गई है। इसमें कहा गया है कि समलैंगिक विवाह को मान्यता देने से मौजूदा कानूनों पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। समलैंगिक जोड़ों में लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं होता है, ऐसे में अलगाव के वक्त गुजारा भत्ता तय करने, बच्चे के कस्टडी लेने में पति पत्नी वाला विवाद नहीं रहेगा।

कांग्रेस-बीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच हुई हिंसक झड़प, 18 को किया गिरफ्तार

बेंगलुरु। कर्नाटक में यादगीर जिले के कोडेकल गांव में कांग्रेस और बीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हो गई। जिसमें 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना कल दोपहर को हुई जब कांग्रेस नेता राजवेंकटप्पा नायक अपने समर्थकों के साथ 80 वाहनों में निर्वाचन क्षेत्र में एक मेले में भाग लेने के लिए यात्रा कर रहे थे। जिस पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने आपत्ति जताई। इसके कारण दोनों पक्षों में जमकर बवाल हुआ। बताया गया कि कथित तौर पर कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे पर पत्थर फेंके। कुछ हथियारों का भी जानबूझकर इस्तेमाल करने की बात कही गई। इसके बाद पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और भीड़ को तितर-बितर किया। हिंसक जड़प के बाद यादगीर जिले के सुरपुरा निर्वाचन क्षेत्र में 8 अप्रैल तक धारा 144 लागू कर दी गई है। दर्ज 4 प्राथमिकी के आधार पर 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि कर्नाटक में बीजेपी और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में हिंसक झड़प की ये पहली घटना नहीं है। इससे पहले 18 मार्च को भी कांग्रेस और बीजेपी कार्यकर्ताओं में राजधानी बेंगलुरु में एक बैनर लगाने को लेकर जमकर बवाल हुआ था। कार्यकर्ताओं एक-दूसरे पर पथराव किया गया और जमकर लाठी-डंडों से हमला किया गया। इस झड़प में भी दोनों पक्षों के कई लोगों को गंभीर चोटें आईं थीं। पुलिस ने इस बारे में 3 एफआईआर दर्ज की थी। बताया गया कि ये वाकया बैनर लगाए जाने को लेकर हुआ था। बेंगलुरु के गोविंदराजनगर निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के पोस्टरों पर कथित रूप से आपत्ति जताई थी। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बीजीएस स्थल पर महिला सम्मेलन से संबंधित एक सभा के लिए ये बैनर लगाए थे। हालात को काबू में करने के लिए पुलिस को लाठी चार्ज करना पड़ा था। इस विवाद में कई पुलिस अधिकारी भी घायल हुए थे।

महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे का बढ़ा कद, स्पेशल कुर्सी ने खींचा ध्यान

मुंबई। महाराष्ट्र की सियासी तस्वीर में उद्धव ठाकरे एक बार फिर मजबूत स्थित में नजर आ रहे हैं। इसके संकेत हाल ही में हुई रैली में मिले, जहां ठाकरे के लिए अलग विशेष कुर्सी लोगों के लिए चर्चा का मुद्दा बन गई। इसके साथ ही सियासी गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं कि क्या महाविकास अघाड़ी उद्धव को विपक्ष के नेता के तौर पर पेश कर रही है? अगर ऐसा है, तो इसकी कई वजह नजर आती हैं। हालांकि, विशेष कुर्सी के बारे में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता अजित पवार ने बताया कि पीठदर्द के कारण अलग कुर्सी लगाई गई थी। वहीं, जानकारों का मानना है कि इससे साफ हो

गया है कि एमवीए के तमाम नेताओं के बीच उद्धव बड़े नेता बने हुए हैं। कहा जा रहा है कि खेड़ और मालेगांव में हुए बड़ी रैलियों ने संदेश दे दिए हैं कि पार्टी में फूट के बाद भी उद्धव एमवीए का नेतृत्व करते रहेंगे। अन्य दलों से अलग शिवसेना का बड़ा आधार ठाकरे परिवार से जुड़ी भावनाएं हैं। कहा जाता है कि दिवंगत बाल ठाकरे को 90 के दशक में यह अहसास हुआ कि उनका संगठन मुंबई और ठाणे से आगे भी बढ़ सकता है, तो उन्होंने मराठी कार्ड के बाद हिंदुत्व विचारधारा पर बात की। परिवार के प्रति वफादारी को शिवसेना में बड़ा फैक्टर माना जाता है। ऐसे में उद्धव सीटें जिताने में मददगार हो सकते हैं। इसके अलावा एक और वजह बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता समेत कई सदस्य अभी भी उद्धव के साथ हैं, जो संकेत देता है कि उनका संगठन आधार मजबूत है।

सुकेश चंद्रशेखर ने केजरीवाल पर लगाया बड़ा आरोप

15 करोड़ रुपये के लिए 15 किलो घी का कोड वर्ड, टीआरएस दफ्तर में पैसे पहुंचाने की बात हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भ्रष्टाचार के कई आरोपों का सामना कर रहे हैं और मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में आरोपी कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सुकेश ने केजरीवाल पर दक्षिण समूह और बीआरएस पार्टी के साथ सांठगांठ का आरोप लगाया है। सुकेश ने दावा किया कि उनके और आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख केजरीवाल के बीच चैट के स्क्रीनशॉट हैं और ये उक्त चैट टीआरएस कार्यालय को 15 करोड़ रुपये की डिलीवरी के संबंध में केजरीवाल के निर्देशों को दिखाते हैं। सुकेश ने दावा किया कि चैट स्पष्ट रूप से आपके (केजरीवाल) सांठगांठ को 'साउथ ग्रुप' और टीआरएस के नेता के साथ पुष्टि करेगा, जो शराब घोटाले में जांच के दायरे में है। साथ ही, चैट में यह भी है कि कैसे टीआरएस के नेता के सहयोगी अरुण पिल्लई को 15 करोड़ रुपए 15 किलो घी की डिलीवरी का निर्देश दिया।

सुकेश ने दावा किया है कि चैट में 15 करोड़ रुपये को 15 किलो घी कहकर संबोधित किया गया है, किसी को पता ना चले इसलिए कोड वर्ड में बात की गई। ÷सुकेश चंद्रशेखर ने एक प्रेस बयान में कहा कि फ्रंट विंडशील्ड पर एक एमएलसी स्टिकर के साथ काले रंग की रेंज रोवर स्पोर्ट में नकदी के बक्से रखे थे। सुकेश ने यह भी कहा कि वह आप सभी के साथ नार्को, पॉलीग्राफ या किसी भी अन्य परीक्षण से गुजरने के लिए तैयार हैं और उसके बाद कानून को फैसला करने दें क्योंकि मैं केवल बात नहीं करने जा रहा हूं, मैं सबूत दे रहा हूं, सबूत हर एक बयान के लिए।

अपने आखिरी पत्र में, सुकेश ने आगे दावा किया कि उसके पास अरविंद केजरीवाल के साथ व्हाट्सएप और टेलीग्राम चैट के कुल 700 पेज हैं, और उसने कथित तौर पर 2020 में टीआरएस कार्यालय को 75 करोड़ रुपये दिए थे। हालांकि, इन दावों की कोई स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और हाल ही में सुकेश ने कई आरोप लगाए थे। पत्र अधिवक्ता अनंत मलिक के माध्यम से जारी किया गया है।

सिसोदिया की जेल से चिटठी, प्रधानमंत्री का कम पढ़ा लिखा होना देश के लिए खतरनाक

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम सिसोदिया ने जेल से देश के नाम चिट्ठी लिखी है। पीएम मोदी को निशाने पर लेकर चिट्ठी में उन्होंने लिखा है कि प्रधानमंत्री का कम पढ़ा लिखा होना देश के लिए बेहद खतरनाक है। इस चिट्ठी को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने ट्विटर अकाउंट पर शेयर किया है।

सिसोदिया ने चिट्ठी में लिखा है कि पिछले कुछ सालों में देश में 60 हजार स्कूल बंद किए गए हैं। उन्होंने लिखा कि पीएम मोदी जी विज्ञान की बातें नहीं समझते हैं, और ना ही मोदी जी शिक्षा का महत्व समझते हैं, इसकारण भारत की तरक्की के लिए एक पढ़ा लिखा पीएम का होना बहुत जरूरी है।

सिसोदिया ने अपनी चिट्ठी में प्रधानमंत्री पर तंज करते हुए लिखा, आज हम 21वीं सदी में जी रहे हैं। दुनिया भर में विज्ञान और टेक्नॉलॉजी में हर रोज नई तरक्की हो रही है। वहीं जब मैं पीएम को यह कहते हुए सुनता हूं कि गंदे नाले में पाइप डालकर उसकी गंदी गैस से चाय या खाना बनाया जा सकता है, तब मेरा दिल बैठ जाता है। क्या नाली की गंदी गैस से चाय या खाना बनाया जा सकता है? नहीं।

जब पीएम कहते हैं कि बादलों के पीछे उड़ते जहाज को रडार नहीं पकड़ सकता, तब पूरी दुनिया के लोगों में वहां हास्य के पात्र बनते हैं। स्कूलों और कॉलेजों में पढ़ने वाले बच्चे उनका मजाक बनाते हैं। उनके इस तरह के बयान देश के लिए बेहद खतरनाक हैं। इसके कई नुकसान हैं।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का बड़ा बयान- दक्षिण में मिशनरियों की अपेक्षा हिन्दु धर्मगुरुओं ने ज्यादा सेवा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत ने कहा है कि दक्षिण के प्रांतों में हिंदू आध्यात्मिक गुरुओं द्वारा किए गए सेवा कार्य मिशनरियों से कहीं अधिक हैं। वह जयपुर के जामडोली में केशव विद्यापीठ में राष्ट्रीय सेवा भारती के सेवा संगम के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'सेवा कहने के बाद सामान्यतः देश के प्रबुद्धजन मिशनरियों का नाम लेते हैं। दुनिया भर में मिशनरी अनेक स्कूल, अस्पताल चलाते हैं, यह सभी को पता है। लेकिन दक्षिण के प्रांतों में, केवल आध्यात्मिक क्षेत्र के हमारे आचार्य मुनि, संन्यासी सब मिलाकर जो सेवा करते हैं वह मिशनरियों की सेवा से कई गुणा ज्यादा है।''

भागवत ने कहा, ''मैं स्पर्धा की बात नहीं कर रहा। उनसे ज्यादा, उनसे कम, यह मेरा पैमाना नहीं है। सेवा का यह पैमाना हो ही नहीं सकता।'' उन्होंने कहा कि सेवा स्वस्थ समाज को बनाती है लेकिन स्वस्थ समाज को बनाने के लिए पहले वह पहले हमको स्वस्थ करती है। संघ प्रमुख ने कहा, ''सेवा मनुष्य के मनुष्यत्व की स्वाभाविक अभिव्यक्ति है।''

आरएसएस के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत ने पीछे रह गए वर्ग के पिछड़ेपन को दूर करने पर जोर देते हुए कहा कि समाज को सभी को समान मानकर इस पिछड़ेपन को दूर करना होगा। उन्होंने सेवा को मनुष्यत्व की स्वाभाविक अभिव्यक्ति भी बताया। समाज में व्याप्त पिछड़ेपन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'हमारे समाज का केवल एक अंग पीछे नहीं है बल्कि उसके कारण हम सब लोग पिछड़ गए हैं। हमें यह पिछड़ापन दूर करना है। हमें सभी को समान, अपने जैसा मानकर सेवा के माध्यम से उन्हें अपने जैसा बनाना है। हम इसके लिए संकल्प ले सकते हैं, सेवा कर सकते हैं।'' भागवत ने कहा, 'हम सभी मिलकर समाज हैं। यदि हम एक नहीं है तो हम अधूरे हो जाएंगे। यदि सभी एक-दूसरे के साथ हैं तभी हम पूर्ण बनेंगे। लेकिन दुर्भाग्य से यह विषमता आई है। हमको यह विषमता नहीं चाहिए।''

उन्होंने कहा, 'हम अपना-अपना काम करते होंगे। काम के अनुसार रूप-रंग भले ही निराला होता होगा। लेकिन हम सब में एक ही प्राण है। समाज का एक अंग उपेक्षित हो- यह कैसे हो सकता है। यदि देश को विश्व गुरु बनाना है तो इसका मतलब है कि वह सर्वांग परिपूर्ण होना चाहिए। उसका प्रत्येक अंग सामर्थ्य संपन्न होना चाहिए। समाज में इसकी आवश्यकता है क्योंकि यह समाज मेरा अपना है।'' उन्होंने कहा, 'हमारा संकल्प हो कि मेरे समाज का, मेरे राष्ट्र का कोई अंग दुर्बल, पिछड़ा, नीचा नहीं रहे। काम के बंटवारे के आधार पर मेरा उसका कुछ अलग हो सकता है लेकिन हम सब समान हैं। मेरा कार्य जितना उच्च एवं महत्वपूर्ण है, उसका काम भी उतना ही महत्वपूर्ण एवं उच्च है। श्रम की प्रतिष्ठा सर्वत्र है और कोई भेद नहीं।' उन्होंने कहा कि सेवा स्वस्थ समाज बनाती है लेकिन स्वस्थ समाज को बनाने के लिए पहले वह पहले हमको स्वस्थ करती है। भागवत ने कहा, 'सेवा मनुष्य के मनुष्यत्व की स्वाभाविक अभिव्यक्ति है।''

हम आपको बता दें कि कार्यक्रम में पीरामल समूह के चेयरमैन अजय पीरामल मुख्य अतिथि थे जबकि संत बालयोगी उमेशनाथ जी महाराज ने आशीर्वचन दिया। सेवा भारती के इस तीन दिवसीय संगम में देश भर से 800 से अधिक स्वैच्छिक सेवा संगठनों के हजारों प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

हिमाचली पकवानों के साथ कांगड़ा और एप्पल टी से होगा विदेशी मेहमानों का सत्कार

-जी-20 सम्मेलन की मेजवानी में जुटा हिमाचल, तैयारियों को लेकर विस्तार से हुई चर्चा

धर्मशाला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में होने वाले जी-20 सम्मेलन को लेकर तैयारियां जोरों पर चल रही है। धर्मशाला में 19-20 अप्रैल को होने वाले जी-20 सम्मेलन में तकनीक और विज्ञान पर चर्चा के अलावा डेलीगेट्स योगाभ्यास भी करेंगे। 20 अप्रैल को आयुष विभाग के सौजन्य से मेहमानों के लिए सुबह साढ़े 6 बजे योग सत्र का आयोजन किया जाएगा। करीब पौने घंटे के इस सत्र में आयुष विभाग के प्रशिक्षक डेलीगेट्स को योगाभ्यास कराएंगे। जिलाधीश डॉ. निपुण जिंदल ने जी-20 सम्मेलन को लेकर तैयारियों की समीक्षा के दौरान सभी विभागों को व्यवस्थित और भव्य रूप में शिखर सम्मेलन करने को लेकर जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने कहाकि कांगड़ा एयरपोर्ट पर मेहमानों का पारंपरिक तरीके से स्वागत होगा। वहां उन्हें हिमाचली पकवान और एप्पल टी, कांगड़ा टी जैसे पेय पदार्थ सर्व किए जाएंगे। इसके अलावा उनका हिमाचली परंपरा के अनुरूप स्वागत सत्कार किया जाएगा। उन्हें हिमाचली टोपी-शॉल के अलावा कांगड़ा पेंटिंग्स उपहार दी जाएंगी।

जिलाधीश डॉ. निपुण जिंदल ने कहा कि यह गौरव की बात है कि धर्मशाला को जी-20 की बैठक के लिए चुना गया है। यह मौका हमें अपने मेहमानों को कांगड़ा और हिमाचल की सांस्कृतिक विशिष्टता, विविधता और सुंदरता से रूबरू कराने का अवसर देगा। जी-20 के तहत 19-20 अप्रैल को धर्मशाला में होने वाली बैठक में रिसर्च एंड इनोवेशन इनिशिएटिव गैदरिंग विषय के तहत नवीनतम अनुसंधान और नवाचारों पर चर्चा होगी। इसमें विश्व के अनेक देशों के 70 प्रतिनिधि भाग लेंगे। जिनमें टॉप साइंटिस्ट, नीति निर्माता और विशेषज्ञ शामिल रहेंगे। इस मौके जिलाधीश ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जी-20 सचिवालय से अधिकारियों से भी तैयारियों पर चर्चा की। इस दौरान उपायुक्त ने उन्हें जिला प्रशासन के प्रबंधों से अवगत कराया।

भिंडरावाले की तरह दिखने, अमृतपाल ने कराई थी कॉस्मेटिक सर्जरी

-2 माह तक जॉर्जिया में रहा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह को पकड़ने पंजाब पुलिस का सर्च ऑपरेशन जारी है। इस बीच सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक अगस्त 2022 में भारत लौटने से पहले वारिस पंजाब दे का प्रमुख अमृतपाल जॉर्जिया गया था, जहां अमृतपाल ने खालिस्तानी आतंकवादी जरनैल सिंह भिंडरावाले की तरह दिखने के लिए कॉस्मेटिक सर्जरी कराई थी।

सूत्रों के मुताबिक, अमृतपाल का करीबी जो इनदिनों डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल में बंद है उसने पूछताछ के दौरान इसका खुलासा किया था। अमृतपाल ने जॉर्जिया में लगभग दो महीने बिताए। एक अधिकारी ने कहा, गिरफ्तार किए गए लोगों ने बताया कि वह भिंडरावाले की तरह दिखने के लिए सर्जरी के लिए जॉर्जिया गया था। अधिकारी ने कहा कि वहां इस जानकारी की पुष्टि कर रहे हैं। खुफिया एजेंसियां पता लगाने की कोशिश कर रही हैं, कि पंजाबी अभिनेता और कार्यकर्ता दीप सिद्धू की मौत के बाद अमृतपाल सिंह पिछले साल अगस्त में अचानक कैसे दिखाई दिया और वारिस पंजाब दे के नेता के रूप में पदभार संभाला। एक अधिकारी ने कहा, गिरफ्तार किए गए लोगों ने कहा कि अमृतपाल ने दिल्ली में किसानों के विरोध के दौरान सोशल मीडिया पर कई पोस्ट किए थे और वह कुछ लोगों के संपर्क में था। अमृतपाल दुबई में था, तब वह खालिस्तानी आतंकवादी लखबीर सिंह रोडे के भाई जसवंत और आतंकवादी परमजीत सिंह पम्मा के संपर्क में था। सूत्रों ने कहा कि संगठन को पाकिस्तान से पैसा मिलता था, जिसका इस्तेमाल व्यक्तिगत कर्ज चुकाने के लिए भी किया जाता था। वहीं, अमृतपाल को तलाश में पंजाब सहित कई राज्यों में सर्च ऑपरेशन चलाया गया है। पंजाब पुलिस होशियारपुर के मरनियां गांव और आसपास के इलाके में बड़ा सर्च ऑपरेशन चला रही है। पुलिस को आशंका है कि अमृतपाल अपने सहयोगियों के साथ यहां छिपा हो सकता है। मरनियां गांव के आसपास कुछ संदिग्ध अपनी कार छोड़कर भाग खड़े हुए थे।

केरल बीजेपी प्रमुख ने पीएम मोदी को बताया युवाओं का रोल मॉडल

-आने वाले दिनों में कांग्रेस-सीपीएम के कई नेता बीजेपी में होंगे शामिल

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। आने वाले दिनों में कांग्रेस के कई नेता भाजपा में शामिल होने वाले हैं। इस आशय के संकेत केरल के बीजेपी प्रमुख ने दे दिए हैं। गौरतलब है कि पूर्व रक्षा मंत्री और कांग्रेस के दिग्गज नेता एके एंटनी के बेटे अनिल एंटनी ने गुरुवार को भाजपा का दामन थाम लिया। इसके बाद इस मुद्दे को लेकर राजनीति शुरू हो गई है। कांग्रेस ने पूरे मामले को विश्वासघात बताया तो एके एंटनी बेटे के फैसले से काफी नाराज दिखे। इन सब के बीच भाजपा केरल अध्यक्ष के सुरेंद्रन का बयान सामने आया है। के सुरेंद्रन ने कहा कि केरल के लोग पीएम मोदी के विकास के एजेंडे से अच्छी तरह वाकिफ हैं। उन्होंने कहा कि सबका साथ सबका विकास सिर्फ बीजेपी का नारा नहीं है बल्कि इसमें लोगों की काफी आस्था है। सुरेंद्रन ने कहा कि आम लोगों ने पीएम मोदी के विकास के एजेंडे को स्वीकार किया है।

केरल भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पीएम मोदी युवाओं के रोल मॉडल हैं। उन्होंने दावा किया कि आने वाले दिनों में अधिक से अधिक कांग्रेस और सीपीएम नेता बीजेपी में शामिल होंगे, और अधिक नेता पीएम मोदी का अनुसरण करेंगे। केरल में बदलाव होगा और बीजेपी राज्य में सरकार बनाएगी। वहीं, भाजपा में शामिल होने पर अनिल एंटनी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अब वह कांग्रेस नहीं है जिसे मैं बड़े होने के दौरान जानता था, यह वह पार्टी भी नहीं है जो 5 साल पहले अस्तित्व में थी। उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस ने सारी दिलचस्पी खो दी है। पार्टी अब 2-3 लोगों के हितों को प्राथमिकता देने लगी है। उन्होंने कहा कि यह मेरे जीवन का एक बहुत ही निर्णायक फैसला रहा है।

पाकिस्तान की राबी समेत 155 देशों की नदियों के जल से रामलला का होगा जलाभिषेक

अयोध्या। आगामी 23 अप्रैल को पाकिस्तान की राबी समेत 155 देशों की नदियों के जल से रामलला का जलाभिषेक किया जाएगा। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण कार्य जोरों पर है और उसका स्वरूप भी दिखने लगा है। निर्माण कार्यों के दौरान ही श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के जलाभिषेक की तैयारी शुरू हो गई है। देश ही नहीं दुनिया भर की नदियों और समुंद्र के जल से अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में अभिषेक किया जाएगा। इसको भव्य और यादगार बनाने के लिए बड़े कार्यक्रम की तैयारी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 23 अप्रैल को 155 देशों की नदियों के जल से राम लला का जलाभिषेक करेंगे। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि विजय जौली के नेतृत्व में एक टीम 155 देशों की नदियों का पानी, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ को सौंपेगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सीएम योगी आदित्यनाथ 23 अप्रैल को मनीराम दास छावनी सभागार में जल कलश की पूजा करेंगे। गौरतलब है ?कि दिल्ली की एक गैर सरकारी संस्था दिल्ली स्टडी ग्रुप ने साल 2020 में जल इकट्ठा करने की इस मुहिम की शुरुआत की थी। इस संस्था के अध्यक्ष दिल्ली के पूर्व भाजपा विधायक विजय जौली हैं। अब जब दुनिया भर की नदियों का जल इकट्ठा हो चुका है तो श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का जलाभिषेक करने के पहले विजय जौली गुरुवार को अयोध्या पहुंचे और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय से विचार-विमर्श किया। उनका कहना है कि स्वर्गीय अशोक सिंघल जी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी से प्रेरणा लेकर मैंने प्रण किया था कि विश्व भर के नदियों और समुद्रों का जल हम भारत में एकत्रित करेंगे और उस जल से प्रभु श्रीराम के राम मंदिर का जलाभिषेक संपन्न करेंगे।

3,000 हजार शिवसैनिकों के साथ रविवार को रामलला के दर्शन करने पहुंचेंगे सीएम शिंदे

-यूपी से 10,000 शिवसेना कार्यकर्ता अयोध्या में एकत्रित होंगे

अयोध्या (एजेंसी)। महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार एकनाथ शिंदे रविवार को शिवसेना के करीब 3,000 सदस्यों के साथ अयोध्या जाएंगे। शिवसेना ने मंत्रियों, पार्टी सांसदों और विधायकों को ठहराने के लिए लगभग सभी होटल, गेस्ट हाउस और धर्मशालाएं बुक कर ली हैं। शिंदे के स्वागत के लिए हजारों शिवसैनिकों के शनिवार को अयोध्या पहुंचने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री के काफिले और महाराष्ट्र के शिवसैनिकों के अलावा, उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से लगभग 10,000 शिवसेना कार्यकर्ता भी अयोध्या में एकत्रित होने वाले हैं। शिंदे लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरने के बाद सड़क मार्ग से अयोध्या पहुंचने वाले हैं। लखनऊ हवाईअड्डे से लेकर अयोध्या तक 150 किलोमीटर लंबे राजमार्ग पर स्वागत द्वार, बैनर और पोस्टर लगाए जा रहे हैं।

ठाणे के पूर्व मेयर नरेश म्हाके ने कहा कि शिंदे लखनऊ हवाई अड्डे से अयोध्या तक 100 से अधिक वाहनों के काफिले के साथ यात्रा करने वाले हैं। उत्तर प्रदेश के शिवसैनिक बड़ी संख्या में उनका स्वागत करने वाले हैं। शिंदे की यात्रा अयोध्या के संतों के निमंत्रण पर हो रही है और महाराष्ट्र सरकार द्वारा मंदिर निर्माण के लिए चंद्रपुर जिले से बेशकीमती सागौन की पहली खेप भेजे जाने के एक सप्ताह बाद आई है। शिंदे की अयोध्या यात्रा को देशभर में उजागर करने के लिए शिवसेना ने शानदार योजना तैयार की है।

अयोध्या होटल्स एसोसिएशन के प्रमुख अनिल अग्रवाल ने कहा कि महाराष्ट्र के शिवसैनिकों ने होटल के कमरे पहले ही बुक कर लिए हैं। हम मुख्यमंत्री शिंदे के साथ महाराष्ट्र से आने वाले मेहमानों की मेजबानी के लिए तैयार हैं। मुख्यमंत्री के प्रवक्ता विराज मुले ने कहा कि शिंदे हनुमान गढ़ी मंदिर और राम मंदिर में पूजा-अर्चना करने और वह राम मंदिर निर्माण भी देखने और सरयू तट पर शाम की आरती भी करने वाले हैं, वह रविवार शाम को मुंबई लौट जाएंगे। अयोध्या के जिलाधिकारी ने कहा कि हमारी प्राथमिकता अयोध्या आने वाले लोगों को सभी सुविधाएं प्रदान करना है। हालांकि, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के साथ आने वाले वीआईपी को सभी आवश्यक प्रोटोकॉल प्रदान किए जाएंगे। यह आगामी महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री द्वारा आगामी राम मंदिर की दूसरी यात्रा होगी। मार्च 2020 में, तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मंदिर में पूजा-अर्चना की थी। शिंदे बाद के मंत्रिमंडल में मंत्री के रूप में ठाकरे के साथ आए थे। इससे पहले, शिंदे मंत्री आदित्य ठाकरे के साथ भी गए थे, जिन्होंने जून 2022 में एमवीए सरकार गिराए जाने से बमुश्किल एक पखवाड़े पहले राम मंदिर का दौरा कर वहां पूजा की थी।

इजरायल ने एयर स्ट्राइक कर हमास के कई ठिकानों को तबाह किया

तेलअवीव ।इजरायल ने लेबनान और गाजा पट्टी पर एयर स्ट्राइक कर हमास के कई ठिकानों को तबाह किया। इजरायल ने बीते दिनों अपने इलाके में गाजा से 25 और लेबनान से 34 रॉकेट दागे जाने के बाद उठाया है। इजरायली रक्षाबलों ने साल 2006 के बाद का सबसे बड़ा रॉकेट हमला करार दिया था। एयर स्ट्राइक के बाद इजरायल और फिलिस्तीन फिर आमने-सामने आ गए हैं। अल-अक्सा मस्जिद पर हाल ही में इजरायली पुलिस की कार्रवाई के बाद गाजा पट्टी पर कब्जा जमाए आतंकी संगठन हमास ने इजरायल पर रॉकेट से हमले किए थे। इजरायल पर लेबनान की ओर से भी रॉकेट दागे गए थे। इजरायल के रक्षा बलों ने कहा था कि हमास के रॉकेट हमले में ज्यादातर को नाकाम कर दिया गया था। वहीं, रॉकेट हमलों में इजरायल के सिर्फ दो लोग मामूली रूप से जख्मी हुए थे। गाजा पट्टी और लेबनान की ओर से हमास के रॉकेट हमले के बाद इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सुरक्षा कैबिनेट की आपात बैठक में साफ कहा था कि दुश्मनों को इजरायल करारा जवाब देगा। दुश्मनों को हमले की भारी कीमत चुकानी होगी। इसके बाद इजरायली सेना ने गाजा पट्टी में एयरस्ट्राइक कर हमास के कई मोर्चे को तबाह कर दिया।

जापान में हिकिकोमोरी से पीड़ित 15 लाख लोग घरों में कैद

–सरकार की बढ़ी चिंता

टोक्यो ।जीवन की परेशानियों से तंग आकर बहुत से लोग अकेला ही रहना पंसद करते हैं।मामला तब ज्यादा बिगड़ जाता है, जब इसतरह के लोगों की तादा इतनी बढ़ जाए की सरकार भी टेंशन में आ जाए है।एक देश में इनदिनों यही हो रहा है। यहां 15 लाख लोग अपने घरों में कैद हो गए हैं। ये रिलेशनशिप और कोविड में नौकरी जाने जैसे मुद्दों से परेशान हैं। इसमें 15 साल से लेकर 64 साल तक के लोग शामिल हैं।मामला जापान का है।इसतरह के लोगों की संख्या जापान की आबादी का 2 फीसदी है। इसमें से पांच तिहाई ने इसके लिए वजह कोरोना को मनाते है।जापान में लोगों के एकांत में रहने और समाज से खुद को काटने की प्रक्रिया को हिकिकोमोरी कहा जाता है। एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका के अनुसार, उस शख्स को हिकिकोमोरी से पीड़ित माना जाता है, जब वह कम से कम छह महीने तक समाज से दूरी बनाए रखने जैसा व्यवहार करता है।हिकिकोमोरी से पीड़ित व्यक्ति घर से बाहर निकलने से मना कर देता है, चाहे फिर स्कूल जाने की बात हो, दफ्तर जाने की हो या फिर घर का सामान बाहर स्टोर से खरीदने की बात हो।ये लोग घर से बाहर कदम रखने से ही इनकार कर देते हैं।रिपोर्ट के अनुसार हिकिकोमोरी के पीछे की वजहें पूरी तरह स्पष्ट नहीं हैं। कुछ मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि इंसान जीवन में किसी तनावपूर्ण घटना से तंग आकर खुद को समाज से काट लेता है।कुछ शोध में ये बात भी सामने आई है, कि हिकिकोमोरी का संबंध परिवार में दिक्कतें या दर्द का अनुभव भी होता है। जापान में बीते कुछ वर्षों में लोगों द्वारा समाज से खुद को एकदम अलग किए जाने के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इस चिंता, डिप्रेशन या समाज में भय की स्थिति से भी जोड़ा जाता है।

नाइजीरिया में बंदूकधारियों ने 50 लोगों को मौत के घाटा उतारा

अबुजा । उत्तरी-मध्य नाइजीरिया के एक गांव में बंदूकधारियों ने दो हमलों में कम से कम 50 लोगों की हत्या कर दी।ओटुक्पो की स्थानीय सरकार के एक अ?धिकारी ने बताया कि बेन्यू राज्य के उमोगिदी गांव में बंदूकधारियों ने 47 लोगों की हत्या कर दी।इससे पहले इसी जगह पर तीन अन्य लोगों की हत्या कर दी गई थी।बेन्यू राज्य पुलिस और प्रमुख अ?धिकारी ने हमले की पुष्टि करते हुए बताया कि हमलावरों ने एक बाजार में आग लगा दी थी। हालांकि हमले में एक पुलिस अधिकारी सहित आठ लोग मारे गए।अधिकारियों ने बताया कि हमले का मकसद अभी तक पता नहीं चल पाया है।हालांकि दोनों हमलों के एक-दूसरे से जुड़े होने की आशंका है। किसी संगठन ने भी अभी तक हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।अधिकारियों ने कहा कि उन्हें संदेह है कि स्थानीय चरवाहों ने हमले किए, क्योंकि पहले भी उत्तरी-मध्य नाइजीरिया में भूमि विवाद को लेकर किसानों के साथ उनके कई झगड़े हो चुके हैं।

दक्षिण अफीका में हिंदू-आधारित कार्यक्रम ज्यादा दिखाने की मांग

केप टाउन ।दक्षिण अफीका के एक प्रमुख हिंदू संगठन ने देश के राष्ट्रीय सार्वजनिक प्रसारक से आग्रह किया है कि वह हिंदू-आधारित कार्यक्रमों के लिए आवंटित समय (स्क्रीन-टाइम) को बढ़ाए।दक्षिण अफीकी हिंदू धर्म सभा (एसएएचडीएस) के संस्थापक और अध्यक्ष राम महाराज ने दक्षिण अफीकी ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (एसएबीसी) को पत्र लिखकर प्रसारक से नई सामग्री के साथ साधना को बहाल करने के लिए कहा।महाराज की दलील तब सामने आई जब एससबीसी ने घोषणा की कि वह अपने दो साप्ताहिक हिंदू कार्यक्रमों में से केवल एक पर नए कार्यक्रम पेश करेगा। महाराज ने कहा कि अन्य हिंदू भक्ति कार्यक्रम जैसे ओम् पिछले तीन वर्षों से दोहराया जा रहा है। महाराज ने हिंदू कार्यक्रमों की मांग करते हुए एसएबीसी के वरिष्ठ अधिकारी को पत्र लिखा और कहा ?कि एसएएचडीएस, भाषाई और सांप्रदायिक समूहों सहित एक उच्च सम्मानित, हिंदू धार्मिक और सांस्कृतिक संगठन है।(यह) एक जन-आधारित, जमीनी, समावेशी, लोकतांत्रिक, प्रदर्शन-संचालित, विकासात्मक, प्रगतिशील और देखभाल करने वाला संगठन है। महाराज ने स्वीकार किया कि विज्ञापन से सीमित आय के कारण एसएबीसी के सामने नए कार्यक्रम तैयार करने की वित्तीय चुनौतियां हैं। उन्होंने भारतीय व्यवसायों से विज्ञापन के माध्यम से कार्यक्रम का समर्थन करने की अपील की।

श्रीलंका की संसद में नये आतंकवाद निरोधक विधेयक पेश करने में देरी होगी

– अप्रैल के आखिर में अथवा मई की शुरूआत तक पेश किया जा सकता है

कोलंबो ।श्रीलंका के न्याय मंत्री विजयदास राजपक्षे ने कहा ?कि संसद में नए आतंकवाद निरोधक विधेयक को पेश करने में कुछ और देरी होगी, जो मौजूदा कठोर आतंकवाद निरोधक कानून की जगह लेगा।इससे पहले अधिवक्ताओं के एक शक्तिशाली निकाय ने कहा था कि वह किसी भी कानून को चुनौती देने में संकोच नहीं करेगा, जो शासन को और नागरिकों की स्वतंत्रता को कमजोर करेगा। नया आतंकवाद निरोधक अधिनियम (एटीए) 1979 के बेहद कठोर और कुख्यात आतंकवाद की रोकथाम कानून (पीटीए) का स्थान लेगा।इससे पहले एक अप्रैल को श्रीलंकाई प्रधानमंत्री दिनेश गुनावर्धने ने संवाददाताओं को बताया था कि नया आतंकवाद निरोधक कानून इस महीने के आ?खिर तक पेश किया जाएगा। हालांकि, कानून मंत्री ने कहा कि इस विधेयक को पेश करने में देरी हो सकती है, और इसे अप्रैल के आखिर में अथवा मई की शुरूआत तक पेश किया जा सकता है। श्रीलंका में बढ़ते तमिल अलगाववादी उग्रवाद का मुकाबला करने के लिए एक अस्थायी उपाय के रूप में 1979 में लागू किए गए पीटीए को निरस्त करने के लिए श्रीलंका को अंतरराष्ट्रीय दबाव का सामना करना पड़ा है।राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने इससे पहले कहा था कि नया एटीए विधेयक जून तक पेश किया जाएगा।इससे पहले 17 मार्च को 97 पृष्ठ के नये आतंकवाद निरोधक अधिनियम (एटीए) का सरकारी गजट में प्रकाशन किया गया था। विपक्ष और नागरिक समाज समूहों ने नए एटीए कानून पर आपत्ति जताते हुए कहा कि यह मौजूदा आर्थिक संकट से निपटने में पूर्व सरकार की विफलता पर पिछले साल के मध्य में हुए नागरिक समाज के विरोध को निशाना बनाने के लिए तैयार किया गया है।

ब्रिटेन की गृह मंत्री सुएला ने 77 वोट से ड्रमंड को हराया

लंदन।ब्रिटेन की भारतवंशी गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन ने परिसीमन के बाद नए निर्वाचन क्षेत्र की उम्मीदवार के रूप में चुने जाने के लिए कंजरवेटिव पार्टी की अपनी सहयोगी सांसद को मुकाबले में हरा दिया है।वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री ब्रेवरमैन (43) का पार्टी के आंतरिक मतदान में सहयोगी सांसद फ्लिक ड्रमंड के साथ आमना-सामना हुआ। अगले आम चुनाव में हैम्पशायर में फरेहम और वाटरलूविल के नए प्रस्तावित निर्वाचन क्षेत्र से कौन चुनाव लड़ेगा, इसके लिए पार्टी में मतदान हुआ। अगला चुनाव 2024 में होने की उम्मीद है। इंग्लैंड के सीमा आयोग के तहत दक्षिण-पूर्व इंग्लैंड में ब्रेवरमैन की फरेहम सीट का पुनर्निर्धारण किया जा रहा है और ड्रमंड की मेयन वैली को नई संसदीय सीमाओं के तहत खत्म किया जा रहा है।

ब्राजील के एक डेकेयर सेंटर में गोलीबारी में मारे गये लोगों की याद में प्रार्थना करती हुई एक महिला।

कोरोना कहां से पैदा हुआ, चीन के पास है डेटा, डब्ल्यूएचओ ने कहा- तुरंत हमें दें

वॉशिंगटन ।महामारी फैलने के लगभग तीन साल बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने चीन से फिर से कोविड-19 महामारी की उत्पत्ति पर डेटा साझा करने का आग्रह किया है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि जब तक ऐसा नहीं होता है, तब तक सभी परिकल्पनाएं आती रहेंगी। वैश्विक स्वास्थ्य निकाय ने अतीत में 2020 में वुहान के एक बाजार में लिए गए नमूनों से संबंधित डेटा को वापस लेने के लिए चीन की आलोचना की थी, जो कि कोविड - 19 महामारी की उत्पत्ति के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान कर सकता था। संगठन ने बीजिंग से पारदर्शी होने और उसके द्वारा की जाने वाली जांच के परिणामों को साझा करने का आह्वान किया।वायरस की उत्पत्ति के बारे में पूछे जाने पर डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ टेड्रोस अदनोम घेब्येयियस ने रायटर से बात करते हुए कहा कि चीन के पास जो जानकारी है, उसकी पूरी पहुंच के बिना, आप कुछ भी हीं कह सकते। सभी परिकल्पनाएं मेज पर हैं।यह डब्ल्यूएचओ की स्थिति है और इसलिए हम चीन से इस पर सहयोग करने के लिए कह रहे हैं।उन्होंने कहा कि अगर वे ऐसा करेंगे तो हमें पता चल जाएगा कि क्या हुआ और यह कैसे शुरू हुआ। मार्च में, डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने बीमारी की उत्पत्ति को निर्धारित करने के प्रयासों में चीन से कोविड-19 डेटा साझा करने में 'पारदर्शी' होने का आग्रह किया था।जैसा कि हम महामारी के अंत के बारे में तेजी से आशान्वित होते जा रहे हैं, यह सवाल अनुत्तरित है कि इसकी शुरुआत कैसे हुई।

क्या अब भारत भी बदलेगा चीन के कब्जे वाले अक्साई चिन में स्थानों का नाम, ड्रैगन के चाल पर लगेगी लगाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत द्वारा अरुणाचल प्रदेश में 11 स्थानों के नाम बदलने के चीन के फैसले को दृढ़ता से खारिज करने के बाद भी चीन लगातार इस बार पर अड़ा है किज़ंगनान उनके देश के क्षेत्र का हिस्सा है और चीन के संप्रभु अधिकारों के भीतर है। 5 अप्रैल को चीनी प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि भारतीय अरुणाचल प्रदेश (हान चीनी में ज़ंगनान) चीन के क्षेत्र का हिस्सा था और इस क्षेत्र के कुछ हिस्सों के नाम बीजिंग द्वारा अपने संप्रभु अधिकारों के हिस्से के रूप में मानकीकृत किए गए। 2017 के बाद से चीन ने दक्षिण तिब्बत के रूप में दावा करने की अपनी रणनीति के हिस्से के रूप में अरुणाचल प्रदेश में 32 भौगोलिक स्थानों का नाम बदल दिया है। अरुणाचल में छह स्थानों के मानकीकृत नामों का पहला बैच 2017 में जारी किया गया था, और 15 स्थानों का दूसरा बैच 2021 में जारी किया गया था।

पश्चिमी और पूर्वी दोनों क्षेत्रों पर दावा ठोकता है चीन

चीन के साथ लगी 3488 किमी लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर दावों-प्रतिदावों के बीच द्विपक्षीय स्थिति यह है कि बीजिंग 1960 के बाद पश्चिमी और पूर्वी दोनों क्षेत्रों पर अपना दावा ठोक दिया है। वहीं ये कहा गया कि यदि भारत पश्चिमी क्षेत्र में मध्य-राज्य के दावों को स्वीकार करता है तो चीन पूर्वी क्षेत्र पर अपना दावा छोड़ने को तैयार है। भूमि सीमा के समाधान पर चीनी स्थिति अपनी सुविधा और अपने वैश्विक प्रभाव के अनुसार बदल गई है, भारतीय स्थिति 1950 में कम्युनिस्ट चीन की सेना द्वारा तिब्बत पर कब्जे के बाद से लगातार बनी हुई है। भारत पूरे अक्साई चीन (1865 जॉनसन लाइन के अनुसार) पर दावा करता है।

भारत इस तरह दे सकता है जवाब

यह देखते हुए कि चीन पहली मई 2020 से पूर्वी लद्दाख में अपने दावे को मजबूत कर रहा है। इसके अलावा भारतीय सेना को अपनी परिभाषित सीमा के भीतर गश्त करने की अनुमति नहीं दे रहा है और 2017 के बाद से अरुणाचल प्रदेश में भौगोलिक स्थानों का नाम भी बदलने की गुस्ताखी कर रहा है। ऐसे में क्या भारत को ÷चीनीकृत÷ नामों को भी नहीं बुलाना चाहिए। वैसे भी तिब्बती भाषा चीन की मैंडरिन से नहीं बल्कि भारत की संस्कृत से ली गई है। इन जगहों के नाम होटन, काशगर, और ताशिकुरगन के साथ-साथ पूर्वी तुर्केस्तान आदि हैं। जबकि भारत ने पूर्व में अक्साई चिन और पश्चिम में कब्जे वाले कश्मीर के साथ-साथ उत्तरी क्षेत्रों का दावा करते हुए एक नक्शा प्रकाशित किया है। लेकिन भारत ने 1954 से अक्साई चिन के भीतर शहरों और भौगोलिक स्थानों का नामकरण करने वाला नक्शा प्रकाशित नहीं किया है।

अमीरों व गरीबों का गैस बिल अलग, अमीरों को अब करना होगा अधिक भुगतान : मुसादिक मलिक

–24 घंटे गैस आपूर्ति संभव नहीं : पाक पेट्रोलियम राज्य मंत्री

वाशिंगटन (एजेंसी)। कराची (ईएमएस)। पड़ोसी मुल्क में दो वक्त की रोटी और आटे तक के लिए मारामारी मची है। बिजली और तेल के दाम आसमान छूने के बावजूद आपूर्ति भी पूरी नहीं हो पा रही है। इस बीच रमजान के चलते लोग काफी दिक्कतों का सामना कर रहे हैं और गैस और बिजली की बेहतर आपूर्ति की मांग कर रहे हैं। अब उनकी इन मांगों को पेट्रोलियम राज्य मंत्री मुसादिक मलिक ने झटका दिया है।

पाकिस्तान ऊर्जा के लिए प्राकृतिक गैस पर अत्यधिक निर्भर है और बढ़ती मांग और अपर्याप्त आपूर्ति के साथ देश में लोड-शेडिंग एक दैनिक घटना बन गई है। रमजान के दौरान स्थिति और खराब हो जाती है, क्योंकि लोगों को खाना पकाने और अन्य कारणों के लिए गैस की ज्यादा आवश्यकता होती है, खासकर सहरी और इफ्तार के समय। इस बीच पाकिस्तानी मंत्री ने कहा कि वे जनता को 24 घंटे गैस की आपूर्ति नहीं कर सकते।

मुसादिक मलिक ने कहा कि वह गैस आपूर्ति के मुद्दे को हल करने के लिए कराची का दौरा करेंगे, जिसका लोग सामना कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि अमीरों और गरीबों का गैस बिल अलग कर दिया गया है, अमीरों को अब अधिक भुगतान करना होगा। कराची में मीडिया से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि हम 24 घंटे गैस उपलब्ध नहीं करा सकते, क्योंकि हमारे भंडार कम हो गए हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि सहरी और इफ्तार के दौरान गैस लोड-शेडिंग खत्म हो जाएगी।

उल्लेखनीय है कि गैस लोड शेडिंग के मुद्दे पर हाल ही में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संबंधित अधिकारियों को निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था।एक मीडिया रिपोर्ट में बताया कि पाक पीएम ने कहा कि गैस की आपूर्ति की प्रक्रिया की निगरानी की जानी चाहिए और किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। गैस आपूर्ति और मांग के बीच बढ़ते अंतर के कारण सुई सदर्न गैस कंपनी ने पिछले सप्ताह कैप्टिव बिजली संयंत्रों और उद्योगों को आपूर्ति निलंबित करने के अपने निर्णय की घोषणा की थी। गैस यूटिलिटी ने कहा कि गैस की कम आपूर्ति को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। इसमें कहा गया है कि आपूर्ति में कमी के कारण पाइपलाइनों में गैस की मात्रा में कमी आई है। जवाब में कराची चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (केसीसीआई) ने कराची उद्योगों को गैस की आपूर्ति की कमी पर तत्काल सरकारी कार्रवाई की मांग की, जिसमें कहा गया था कि उद्योग बिना गैस के काम नहीं कर सकते हैं।

ट्रंप पर आरोपों के बाद अमेरिका में राजनीतिक विभाजन और बढ़ा

वाशिंगटन । न्यूयॉर्क की अदालत में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के आरोप ने राजनीतिक विभाजन को और अधिक बढ़ा दिया है।रिपब्लिकन सांसदों ने पूर्व राष्ट्रपति के पीछे लामबंद होकर इस घटनाक्रम को राजनीतिक अभियोग बताया है।जबकि डेमोक्रेट्स ने कहा कि उन पर मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त सबूत थे।आए कई बयानों से पता चलता है कि दोनों तरफ से जंग का आगाज हो चुका है।अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स के बीच तीखी नोंकझोंक देखने को मिल सकती है। एसएसआरसी द्वारा हाल ही में किए गए पोल के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के अभियोग को 60 प्रतिशत अमेरिकियों द्वारा अनुमोदित किया गया है।एडल्ट फिल्म अभिनेत्री स्टॉर्मी डेनियल्स को चुपके से पैसे देने के मामले में उन पर आरोप लगाने के लिए मतदान किया था।लगभग तीन-चौथाई अमेरिकियों का मानना ??है कि ट्रम्प को अभियोग लगाने के फैसले में राजनीति ने एक भूमिका निभाई।52 प्रतिशत ने कहा कि राजनीति ने इसमें एक प्रमुख भूमिका निभाई।सर्वे में शामिल सभी लोगों में से 51 प्रतिशत, लेकिन केवल 18 प्रतिशत रिपब्लिकन ने कहा कि आरोपों के बाद ट्रम्प को फिर से राष्ट्रपति पद के लिए अयोग्य घोषित करना चाहिए।

भारत और अमेरिका समय की चुनौतियों का समाधान करने के लिए काम कर रहे हैं : संधू

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने कहा कि भरोसेमंद वैश्विक साझेदार के तौर पर भारत और अमेरिका मौजूदा समय की गंभीर चुनौतियों से निपटने के लिए काम कर रहे हैं। न्यू हैम्पशायर स्टेट असेंबली को संबोधित करते हुए संधू ने कहा कि भारत आज भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच स्थिरता का प्रकाशस्तंभ, वैश्विक आर्थिक विकास का अग्रदूत, जटिल चुनौतियों के समाधान प्रदाता के रूप में खड़ा है। उन्होंने कहा कि संघर्ष और बढ़ते तनाव के समय में भारत दिलचस्प, महत्वपूर्ण और अविश्वसनीय बना हुआ है। उन्होंने वहां मौजूद विधि निर्माताओं से कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत-अमेरिका संबंधों को वैश्विक भलाई के लिए साझेदारी के रूप में पेश किया और लोग इसे 21 वीं सदी का सबसे बेहतर संबंध कहते हैं। संधू ने कहा कि भरोसेमंद वैश्विक साझेदार के रूप में भारत और अमेरिका समय की चुनौतियों का समाधान करने के लिए काम कर रहे हैं, जिसमें अमेरिकी प्रौद्योगिकी और भारतीय प्रतिभा, वाशिंगटन की नवाचार करने की ताकत और नई दिल्ली की क्षमता शामिल होगी। संधू ने कहा कि नई दिल्ली से न्यू हैम्पशायर तक कई सूत्र हैं जो हमें एक साथ बांधते हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र से लेकर अमेरिका में सबसे बड़ी राज्य विधानसभा तक, हम समान मूल्यों और दृष्टिकोण द्वारा निर्देशित हैं।

युद्धाभ्यास के जरिए चीन का शक्ति प्रदर्शन हुआ नाकाम, अफ्रीका में पकड़ हुई ढीली

बीजिंग (एजेंसी)। युद्धाभ्यास के जरिए चीन का शक्ति प्रदर्शन नाकाम हो गया है। गौरतलब है कि दक्षिण चीन सागर से लेकर लद्दाख तक आंखें दिखा रहा चीन अफ्रीका में भी अपनी पकड़ को मजबूत करने में जुट गया। लेकिन उसकी सारी चालें नाकामयाब हो रही हैं। चीन ने अफ्रीकी देश जिबूती में अपना विशाल नेवल बेस बना लिया है। इस बेस पर चीन ने अपने 900 से लेकर 1200 सैनिकों को तैनात कर रखा है। इस नौसैनिक अड्डे पर हाल ही में चीन का एक 7000 टन का डेस्ट्रायर नानिंग पहुंचा था। चीन ने पिछले दिनों अपने दो जासूसी जहाजों को लेकर दक्षिण अफ्रीका और रूस के साथ संयुक्त अभ्यास किया था। यह अभ्यास दक्षिण अफ्रीका के समुद्री तट पर मार्च के अंतिम दिनों में किया गया था लेकिन यह अफ्रीकी देशों पर छाप छोड़ने में नाकाम रहा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस नौसैनिक अभ्यास में चीन के दो जासूसी जहाज डा यांग हाओ और शियान यांग होंग ने हिस्सा लिया था।

चीन की कोशिश थी कि इसके जरिए अफ्रीकी देशों को अपने प्रभाव में लाया जाए लेकिन उसकी यह नापाक चाल नहीं चली। चीन का पहला निशाना बाटा था जो इक्वेटोरियल गिनी में है। बाटा में चीन को अटलांटिक महासागर के अंदर नौसैनिक अड्डा बनाना था लेकिन यह योजना धरातल पर नहीं उतर सकी। रिपोर्ट में कहा गया है कि पश्चिमी देशों की दबाव की वजह से बाटा ने चीनी अड्डे को नाकाम कर दिया। इस दौरान इक्वेटोरियल गिनी में पश्चिमी देशों के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने दौरा किया था। इसके बाद चीन की नजर बागमोयो पर थी जो एक समय में तंजानिया का हिंद महासागर में महत्वपूर्ण बंदरगाह था।

हिंद महासागर क्षेत्र में केवल जिबूती ही एक ऐसा देश है जहां पर उसे सफलता मिली है। जिबूती का चीनी नौसेना का बेस काफी बड़ा है। हालांकि यहां भी पश्चिमी देश बड़े पैमाने पर मौजूद हैं जिससे वहां चीन को उस तरह की सफलता नहीं मिली जिसकी उसे उम्मीद है। चीन लगातार हिंद महासागर में अपने जासूसी जहाज और युद्धपोत भेज रहा है। यही नहीं म्यांमार के कोको द्वीप और कंबोडिया में चीन के जासूसी बेस बनाने की भी खबरें आई हैं। चीन श्रीलंका में हंबनटोटा को अपना नौसैनिक अड्डा बनाने की फिराक में और रेडॉर स्टेशन स्थापित करना चाहता है। इससे भारत को बड़ा खतरा होने की आशंका है।

ताइवानी राष्ट्रपति की मैक्कार्थी से मुलाकात पर भड़का चीन, विमान वाहक पोत रवाना किए

बीजिंग (एजेंसी)। बीजिंग (ईएमएस)। विस्तारवादी चीन दूसरे देशों पर दबदबा बनाए रखने के चक्कर में सनकीपन की हद पार कर देता है। ताइवान को अपना बनाने के लिए जुनूनी हो रहा चीन इस बात पर भड़क गया है कि ताइवान की राष्ट्रपति ने अमेरिका यात्रा के दौरान प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष से क्यों मुलाकात की। बता दें कि प्रतिनिधि सभा की पूर्व अध्यक्ष नैन्सी पैलोसी जब पद पर रहते हुए पिछले साल ताइवान आई थीं, तब भी चीन काफी आगबबूला हुआ था। अब जब ताइवानी राष्ट्रपति ने अमेरिका जाकर वर्तमान प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष केविन मैक्कार्थी के साथ मुलाकात की, तब भी चीन भड़क गया है। बता दें कि ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग-वेन की वाशिंगटन में हुई बैठक पर चीन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। चीन के आक्रामक रवैये के बावजूद अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष मैक्कार्थी ने ताइवान की राष्ट्रपति साई की मेजबानी की और उन्हें ''अमेरिका का करीबी मित्र बताया। उल्लेखनीय है कि ताइवान की नेता के साथ अमेरिकी अधिकारी की यह दूसरी उच्च स्तरीय बैठक है।

इस बीच, चीन और अमेरिका ने अपनी-अपनी नौसेनाओं की ताकत का प्रदर्शन करने के लिए ताइवान जलडमरुमध्य में विमान वाहक पोतों को गुजारा है। यह जलमडरुमध्य ताइवान को चीन की मुख्य भूमि से अलग करता है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि चीनी नौसेना का बेड़ा विमान वाहक पोत शांडोंग के नेतृत्व में ताइवान के दक्षिण पूर्व जल क्षेत्र में पहुंचने से पहले बशी चैनल से गुजरा जो ताइवान को फिलीपीन से अलग करता है। रिपोर्ट के अनुसार चीन का विमानवाहक पोत पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र के अपने पहले अभियान पर निकल रहा है। ताइवान के रक्षा मंत्री चिऊ कुओ-चेंग ने बताया कि अमेरिका का विमानवाहक पोत यूएसएस निमित्ज ताइवान के पूर्वी तट से करीब 400 समुद्री मील दूर गुजर रहा है। उन्होंने कहा, हम निश्चित तौर पर नहीं कह सकते कि वह (निमित्ज) शांडोंग की वजह से वहां मौजूद है। लेकिन इन दोनों घटनाओं का कुछ जुड़ाव हो सकता है।''

बता दें कि चीन सरकार का दावा है कि ताइवान उसके क्षेत्र का हिस्सा है, जबकि ताइवान की वर्तमान सरकार का कहना है कि यह स्वशासित द्वीप पहले से ही संप्रभु है और चीन का हिस्सा नहीं है। चीन ने आठ महीने पहले भी अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की तत्कालीन अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी की ताइवान यात्रा के दौरान अपने नौसेना बेड़े को जलडमरुमध्य में भेजा था और मिसाइल दागी थीं। चीन ने इसी तरह का शक्ति प्रदर्शन अमेरिका में केविन मैक्कार्थी की साई के साथ

हुई मुलाकात के बाद किया है।

वहीं ताइवानी राष्ट्रपति की अमेरिकी नेता से मुलाकात पर टिप्पणी कर चीन के विदेश मंत्रालय ने आरोप लगाया कि अमेरिका, ''ताइवान और अमेरिका के अधिकारियों के बीच मुलाकात और अमेरिका-ताइवान संबंधों को बढ़ाकर ताइवान के अलगाववादियों को मंच प्रदान कर रहा है।'' हालांकि मैक्कार्थी और साई कैलिफोर्निया में रोनाल्ड रीगन प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी में एकजुटता दिखाने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हुए नजर आए और ताइवान सरकार के खिलाफ चीन के खतरे को स्वीकार करते हुए दीर्घकालिक अमेरिकी नीति को बनाए रखने की बात की।

संपादकीय

नहीं खोजता अपना दोष

मानव की एक प्रवृति होती हैं की वह स्वयं का दोष नहीं देखता हैं ।निज पर शासन फिर अनुशासन को अपना ले तो दोष मढ़ने की प्रवृति ही खत्म हो जायेगी । दुनिया का दस्तूर हैं और बहुत आसान हैं अपना दोष किसी ओर सर मढ़ना हैं ।अपना ही किया धरा पर दु:ख का ठीकरा किसी और माथे फोड़ना एक फ़ेशन बन गया हैं ।क्योंकि जीवन मृत्यु एक किताब है और इस बीच का सफ़र पन्ने हैं ये हम पर निर्भर करता है की हमारी जीवन शैली हम कैसे जीते हैं । दो अक्षर की मौत और तीन अक्षर के जीवन में मनुष्य को उसका कर्म ही दण्डित या पुरस्कृत करते है । इस सृष्टि का आधार ही कर्म है । कोउ न काहु सुख दु:ख कर दाता निज कृत करम भोग सुनु भ्राता । कर्म के उत्तराधिकारी हम स्वयं ही होते है । इसे हम किसी ओर पर दोष देकर छूट नही सकते ।कर्म भूमि की दुनिया में श्रम अपने को करना है ।भगवान सिर्फ लकीरें देता है रंग हमें ही भरना है । इसलिए दंड या पुरस्कार अपने अपने कर्म पर निर्भर है। तभी तो फलों का राजा होकर भी आम किलो के भाव बिकता है जब कि श्री फल संख्या के हिसाब से सबका अपना कर्म अपना गर्व ।हम आज के समय के हिसाब से दोष निकालने की प्रक्रिया ही उल्टी दिशा से चला ले यानी पहले स्वयं का ही दोष खोजना शुरू करेगे तो समस्या का हल भी प्राय: वहीं मिल जाएगा ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशिफल

मेष – पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से तनाव मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ – जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आर्थिक तथा व्यावसायिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन – पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क – बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ की संभावना है।

सिंह – पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या – जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला – जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

वृश्चिक – पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। वाद विवाद की स्थिति से बचें। आर्थिक योजना सफल होगी। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु – व्यावसायिक तथा आर्थिक योजना फलीभूत होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक खर्च का सामना करना पड़ सकता है। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा।

मकर – पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किया गया परिश्रम सार्थक होंगे।

कुम्भ – रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकतीहै। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मीन – जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। पराक्रम में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

विज्ञान की अभूतपूर्व देन: गंभीरतम रोग -लाइलाज -मोबाइल

(लेखक – विद्यावास्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

जब परमाणु बम की खोज करने वाले या जनक को यह नहीं पता था की उनके द्वारा खोजा गया परमाणु बम जब हिरोशिमा नागाशाकी पर गिराया जाने के बाद उसके कितने भयानक दुष्परिणाम विश्व को भोगने पड़ेंगे तब शायद उसे अपनी खोज पर क्षणिक दु:ख /अफ़सोस जरूर हुआ होगा पर उसके दुरुपयोग को रोकना उसके वश में नहीं रहा होगा। इसी प्रकार टी वी के जनक को भी यह अहसास नहीं रहा होगा की इसके कितने दुष्परिणाम के साथ कितना लाभ मानव जाति को मिला होगा। इसी प्रकार मोबाइल के जनक ने मानव समाज को कितना जागरूक बनाया और दुनिया को अपनी मुट्ठी में कर लिया। विश्व अब एक ग्लोबल विलेज बन गया। मोबाइल के साथ इंटरनेट के द्वारा अभूतपूर्व क्रांति मानवता में लाये जिससे बहुत सीमा तक मानवीयता तार तार होने लगी, हो गयी और भविष्य क्या होगा कोई नहीं जानता। रोग आयुर्वेद के अनुसार त्रिदोषों धातुओं और मलों के असंतुलन के कारण होता हैं। यानी यानी हम प्रकृति से विकृति में बदल जाते हैं। रोग के कारक निज और आगन्तुज होते हैं यानी हमारे शरीर के भीतर जो दोष धातु मलों में विकार होने से निज रोग होते हैं और किसी बाह्य संक्रमण से रोग होते हैं उन्हें आगन्तुज रोग कहते हैं। निज रोग का निराकरण हम उपवास लंघन और सामान्य चिकित्सा से कर हम स्वस्थ्य हो जाते हैं। वैसे अधिकांश रोग हमारे खान पान, रहन सहन जीवनशैली के कारण होते हैं। आजकल रसायनों के कारण होने वाली बीमारियों की चिकित्सा रसायन से होने के कारण हम रासायनिक औषधियों पर भरोसा करते हैं। इसी प्रकार आगन्तुज रोग संक्रमण के कारण होने से अधिक विषाक्त होने के कारण उनका इलाज़ बहुत कठिन और जोखिम भरा होता हैं। जैसे कोरोना आदि

रोग की भी दो श्रेणियाँ होती हैं -साध्य रोग ---सुख साध्य और कृच्छ साध्य और असाध्य रोग --- प्रत्याख्येय और अनुपक्रम। कुछ साध्य रोग थोड़े इलाज़ से ठीक होते हैं और कुछ कठिनाई से इसके अलावा असाध्य रोग की भी दो श्रेणियां होती हैं इस श्रेणी के रोग कष्टकारी और मृत्युदायक होते हैं। इन रोगों के लिए कहा गया हैं --असाध्येन प्रति नास्ति चिंता। अर्थात असाध्य रोगऔर रोगी के प्रति चिकित्सक को चिंता नहीं करनी चाहिए। रोग के स्थान हमारे शरीर में दो हैं --मन और शरीर। जब मन दुखी होता हैं तो उसका प्रभाव शरीर पर पड़ता हैं और शरीर कष्ट में हो तो उसका प्रभाव मन पर पड़ता हैं। दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। बात वर्तमान सन्दर्भ की हैं वह रोग मोबाइल हैं। मोबाइल स्वयं एक गंभीरतम रोग बन गया हैं। इस रोग ने मन और शरीर को इस कदर प्रभावित किया हैं की इसके जनक ने भी नहीं सोचा होगा कि इसका दुष्प्रभाव कितना खतरनाक होगा।

टी वी /मोबाइल का प्रभाव गर्भस्थ शिशु के ऊपर पड़ता हैं क्योकि जब बच्चा गर्भ में आता हैं उसी समय से माँ टी वी और मोबाइल का उपयोग करते हैं उसका प्रभाव गर्भस्थ शिशु पर पड़ता ही हैं पर माँ इस बात से अनिभिज्ञ रहती हैं या वह जानबूझकर बुद्धि के द्वारा अपराध करती हैं। जब शिशु गर्भ से बाहर आता हैं उसकी पहली फोटो लेने का चलन होने से उसके ऊपर किरणों और प्रकाश का प्रभाव पड़ता हैं। यही से उसको व्यसन लगना शुरू होता हैं। फिर माँ बाप उसे व्यस्त रखने टी वी /मोबाइल का सहारा देकर अपने कामो में मशगूल होते हैं। यह धीमा जहर उस बालक को मिलना शुरू होता हैं। और वह मोबाइल या टी वी के रिमोट को खिलोने जैसे खेलने से वह कुछ परिवर्तन देखता हैं और वह उसकी मांग शुरू करता हैं। आजकल आप छह माह के बालक से मोबाइल /टी वी का रिमोट नहीं ले सकते। इस प्रकार वह नशे काआदी बनना शुरू हो जाता हैं।

इस प्रकार बच्चे ज्यों जो बड़े होते जाते हैं वैसे वे उसके ऊपर आश्रित होने लगते हैं। आज के समाचार पत्र में बहुत ही खतरनाक और गंभीर रिपोर्ट प्रकाशित हुई और इसके बाद आये दिन मोबाइल के उपयोग की बंदिश पर घर से भागना, चोरी करना, आत्महत्या करना और अनेक अपराध करना सामान्य बात हैं। इसके कारण हमारे बच्चों का भविष्य बहुत डरावना बनता जा रहा हैं जो सोचनीय और चिंतनीय हैं। दूसरी ओर युवा वर्ग से जो इसकी शुरुआत हुई हैं तो मानकर चले इस समय पूरा विश्व मोबाइल के नशे में डूबा हुआ हैं। अब हम सब आभासी दुनिया में जी रहे हैं। मन मस्तिष्क हृदय शून्यता में डूबे हैं। इस समय किसी को किसी से कोई मतलब नहीं हैं। स्वकेन्द्रित होकर जी रहे हैं इस विषय पर अनेको वैज्ञानिको। समाज शस्त्रियों, मनोवैज्ञानिकों द्वारा सचेत किया जा रहा हैं पर हमारा समाज पूरा मोबाइल की चपेट में आ चूका हैं। इस रोग /समस्या का इलाज़ असाध्य हो चूका हैं। यदि पूरे विश्व के आँकड़ें इकट्ठे किये जाए तो आज हर पांच में एक व्यक्ति मानसिक रोगों के साथ शारीरिक रोगों से ग्रसित हो चूका हैं। और इसका इलाज़ में स्वयं यानी उपयोगकर्ता की भूमिका महत्वपूर्ण हैं।

इससे बचने के लिए गर्भिणी स्त्री को गर्भावस्था में इसके संपर्क से जितना अधिक दूरी बनाकर रखेगें वह स्वयं के साथ गर्भस्थ शिशु के लिए आरोग्यदायक होगा।

बच्चों को मोबाइल रोग से बचाने के लिए माँ बाप भाई बहिन परिवार जनो को भी अपने आप नियंत्रित और अनुशासन में रहना होगा।

बच्चों को कम से कम उनकी पूरी शिक्षा दीक्षा तक न दे तो उत्तम पर यह वर्तमान में असंभव हो चूका हैं। इसका उपयोग हम स्वयं सीमित करे।

चिंतनीय बिंदु --हम मानकर चले की आज से करीबन 40 वर्ष पूर्व जब न मोबाइल न, टी वी और न अन्य मनोरंजन के साधन थे क्या उस समय भी हम आज की अपेक्षा बहुत सुखी रूप से रह रहे थे। इन साधनो ने हमको सुविधा भोगी बनाया और हमारी चिंतन शक्ति को कमजोर का दिया, इसके साथ मोबाइल ने हमारा तन मन धन को तोड़ दिया।

जिस प्रकार वर्तमान में जो इसके दुष्प्रभाव देखने सुनने भोगने मिल रहे हैं उससे आने वाला समय की क्या विद्रूपता होगी कहना संभव नहीं हैं पर भविष्य समूह में दुखदायी होगा। जो इससे बचे हैं यह मानकर चले वे बहुत सीमा तक शांति से जीवनयापन कर रहे हैं। यह भी कल्पना करना होगा जब यह संचार संसाधन न रहेगा तब हम कैसे जियेंगे।

इस मोबाइल रोग का कोई इलाज़ किसी भी हॉस्पिटल में नहीं हैं और न कोई औषधि हैं। जो इसके चंगुल में फंसा वह अधिकतम दुखी रहेगा। में आधुनिक संसाधन के उपयोग का विरोधी नहीं हु पर यह जो संक्रामकता ला रही हैं और विश्व स्तरीय रोग बन चूका हैं बचना असंभव हैं। सरकार से अपेक्षा करना बेमानी होगा। नगर निगम गन्दा पानी प्रदाय कर रही हैं हमारी जिम्मेदारी हैं अपना स्वास्थ्य स्वस्थ्य रखने के लिए हमें अपना निजी साफ़ सुथरा पानी पीना होगा अन्यथा सबके जैसे बीमार होना पड़ेगा।

तन, मन, धन, जन, शांति करता कौन ख़राब
मछली, अंडा, मांस, मोबाइल, शराब
इससे बचाना और बचना बहुत कठिन हैं
नहीं सम्हले तो जाना होगा गर्त में

बेमौसम बारिश के आगे बेबस अन्नदाता

(लेखिका – निर्मल रानी)

पिछले दिनों अमृतसर -जयनगर - अमृतसर रेल मार्ग से गुज़रते हुये लगभग 1500 किलोमीटर की यात्रा करने का अवसर मिला। मार्च के दूसरे सप्ताह में पश्चिम से पूर्व दिशा की ओर जाते समय पूरे मार्ग पर रेल लाइन के किनारे खेतों में लहलहाती फ़सल देखकर बे इंतेहा ख़ुशी हो रही थी। उम्मीद थी की एक सप्ताह बाद वापसी में जहाँ कुछ फ़सलें ख़ासकर गेहूं की फ़सल तैयार हो रही होगी,मेरे देश की धरती सोना उगले, जैसा आभास होगा वहीँ संभवत: कुछ खेत ऐसे भी नज़र आयेंगे जिनकी फ़सल काटने को भी तैयार होगी। परन्तु 24-25 मार्च की वापसी में तो लगभग पूरे 1500 किलोमीटर के रास्ते का दृश्य ही अत्यंत भयावह था। उत्तर भारत के अलग-अलग क्षेत्रों में हुई बे मौसम की मूसलाधार बारिश और साथ ही कई जगहों पर हुई ओलावृष्टि व तूफ़ानी हवाओं ने तो सारी फ़सलों को तबाह कर दिया था। खेतों में खड़ी फ़सल ज़मीन पर बिछी हुई नज़र आ रही थी। किसानों की जो फ़सल खेत में कटने के लिये लगभग तैयार खड़ी थी तथा कई इलाक़ों में कटी हुई गेहूं की फ़सल,सब चौपट हो चुकी थी। आम और लीची पर आई बौर बुरी तरह झड़ चुकी थी। केवल बिहार व उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि उत्तरांचल व राजस्थान,महाराष्ट्र,मध्य प्रदेश जैसे और भी कई राज्य इस प्राकृतिक आपदा की चपेट में आ चुके हैं जिनकी वजह से देश के किसानों के चेहरे की रौनक़ समाप्त हो गयी है। प्रकृति की मार ने किसानों की कमर को तोड़ दी है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक़ पश्चिमी विक्षोभ(वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) के सक्रिय होने की वजह से मौसम में यह बदलाव देखा जा रहा है जिसके परिणाम स्वरूप राजधानी दिल्ली समेत उत्तरांचल,राजस्थान,हरियाणा पंजाब,मध्य प्रदेश व महाराष्ट्र सहित व उत्तर भारत के तमाम इलाक़ों में बे मौसमी बारिश के साथ 40 से साठ किलोमीटर प्रति घंटा की गति से तेज़ हवाएं चलीं और तमाम जगहों पर ओले गिरे। जिसके परिणाम स्वरूप किसानों को फ़सलों की तबाही का सामना करना पड़ा। विभिन्न राज्यों की सरकारों ने किसानों के आंसू पोछने की घोषणा भी कर दी है। उदाहरणार्थ राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रभावित किसानों की बर्बाद हुई फ़सलों की विशेष गिरदावरी कराकर शीघ्र रिपोर्ट तलब की है ताकि उन्हें मुआवज़ा देने की प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जा सके। इसी तरह सबसे बड़े प्रभावित राज्य उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने भी किसानों को मुआवज़ा देने का आश्वासन दिया है। किसानों के प्रति हमदर्दी जताते हुये मुख्यमंत्री योगी ने यह भी कहा कि बावजूद इसके कि बारिश व ओलावृष्टि से फ़सल की गुणवत्ता पर फ़र्क़ पड़ेगा परन्तु इसके बावजूद उस फ़सल को भी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर ही लिया जायेगा। और इसके लिये फ़सल क्रय नियम भी ढीले किये जायेंगे। इसी तरह पंजाब सरकार ने भी किसानों को उनकी बर्बाद हुई फ़सल पर 15 हज़ार रुपए प्रति एकड़ की दर से तथा 33 प्रतिशत से 75 प्रतिशत नुक़सान पर 6800 रुपए मुआवज़ा राशि दिये जाने की घोषणा की है । एक अनुमान के अनुसार पंजाब के कई हिस्सों में बारिश से लगभग 15 लाख हेक्टेयर से अधिक गेहूं की फ़सल बुरी तरह से प्रभावित हुई है, जो कि कुल बुवाई क्षेत्र का लगभग 40 प्रतिशत से भी अधिक है। इसी तरह हरियाणा में भी बड़े पैमाने पर फ़सलें ख़राब हुई हैं। एक अनुमान के मुताबिक़ लगभग 9.14 लाख किसानों की फ़सल क्षतिग्रस्त हुई है। राज्य के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने घोषणा की है कि बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि की वजह से ख़राब हुई फ़सलों का आकलन कर हरियाणा सरकार मई तक किसानों के खातों में मुआवज़ा राशि भेज देगी। जो किसान प्रधानमंत्री फ़सल बीमा योजना में शामिल नहीं हैं उनके लिये भी हरियाणा सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। इस फ़ैसले के मुताबिक़ उन किसानों को सरकार अपने फ़ंड से मुआवज़ा देगी जो फ़सल बीमा योजना में कवर नहीं होते। हरियाणा में सरकार द्वारा गिरदावरी का काम भी 15 दिन में पूरा कर पारदर्शी तरीक़े से सभी प्रभावित किसानों को मुआवज़ा देने की बात कही गयी है ।बेमौसम बारिश का होना और किसानों का प्रकृति के प्रकोप का शिकार होना वैसे तो कोई नई बात नहीं है। लगभग प्रत्येक वर्ष ही कहीं सूखा तो कहीं बढ़ तो कहीं ओलावृष्टि तो कहीं बेमौसम की बरसात अन्नदाताओं की कमर तोड़ती ही रहती है। जो किसान फ़सल तैयार होने पर बच्चों की शादी उनकी पढ़ाई, अपना क़र्ज़ उतारने,मकान बनाने,ट्रैक्टर व ट्यूबवेल ख़रीदने या उनके रखरखाव करने आदि के सपने संजोय रहता है उसी किसान के लिये ख़राब हुई फ़सल से अपनी खेती की लागत तक निकालना मुश्किल हो जाता है। लगातार बेमौसमी बारिश और तेज़ हवा के कारण गेहूं की फ़सल खेतों में गिर जाती है जिसकी वजह से गेहूं का दाना काला भी हो जाता है और इसका उत्पादन भी कम हो जाता है। साथ ही ख़राब फ़सल की कटाई पर भी अधिक ख़र्च आता है और परेशानी भी ज़्यादा होती है। महाराष्ट्र जैसे राज्य में तो इस बेमौसम बारिश से रबी मौसम की फ़सलों का भारी नुक़सान हुआ है। यहाँ अंगूर,प्याज़, गेहूं जैसी फ़सलों को तो भारी नुक़सान हुआ ही है साथ ही प्याज़ के खेतों में बारिश का पानी जमा हो जाने से प्याज़ के सड़ने की संभावना भी बढ़ गयी है। इस प्रकृतिक आपदा से सरसों की फ़सल को भी नुकसान हुआ है। विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा किसानों के आंसू पोंछने वाली तमाम घोषणायें करने व सांत्वना देने के बावजूद अनेक किसानों का यह भी आरोप है कि कृषि विभाग के अधिकारी व बीमा कंपनी के प्रतिनिधि खेतों में जाकर किसानों की दुर्दशा देखने के बजाये कार्यालयों में बैठकर ही अपनी रिपोर्ट तैयार कर लेते हैं। जिससे उन्हें न्याय नहीं मिल पाता। परन्तु हक़ीक़त तो यह है कि मुआवज़ा या सांत्वना दरअसल किसानों की समस्या का स्थाई या दीर्घकालिक समाधान नहीं है। वैसे भी ग्लोबल वार्मिंग के चलते आ रहे विश्वव्यापी जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम चक्र तेज़ी से बदलता जा रहा है। इस चुनौती से निपटने के लिये भारत जैसे कृषि प्रधान देश में कृषि तथा मौसम वैज्ञानिकों की सक्रियता बहुत ज़रूरी हो गयी है। वैज्ञानिकों को इस विषय पर शोध करना चाहिये कि मौसम के बदलते मिज़ाज के अनुरूप कब और कौन सी ऐसी खेती की जाये जिसपर बेमौसम की बरसात व बारिश का दुष्प्रभाव या तो बिल्कुल न हो या फिर कम से कम हो। उन्नत कृषि तकनीक की सहायता से किसानों को सशक्त बनाया जाये और कृषि संयंत्रों से लेकर बीज व खाद तक में उन्नत तकनीक व श्रेणी का इस्तेमाल किया जाये। सरकारों द्वारा दिया जाने वाला मुआवज़ा किसानों के लिये अस्थाई राहत तो ज़रूर है परन्तु उन्नत तकनीक की खेती किसानों को स्थाई रूप से सशक्त बना सकेगी। और जब तक वैज्ञानिकों द्वारा इस समस्या का स्थाई समाधान नहीं निकला जाता तब तक बेमौसम बारिश के आगे अन्नदाता यूँही बेबस बना रहेगा।

ख़ुशी और शांति पाने का साधन – संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

खुशी और शांति पाने के लिए इंसान तरह-तरह के प्रयास करता है। ज्यादातर सभी लोग सोचते हैं कि धन-दौलत जमा करके, जायदादें इकट्ठी करके, नई-नई खोजें या अविष्कार करके, सत्ता पाकर या फिर नाम प्रसिद्धी प्राप्त करके वह इस दुनिया की हरेक खुशी पा लेंगे। लेकिन अगर हम उन लोगों की ओर देखें जिनके पास ये सब चीज़ें हैं तो हम पाएंगे कि वे लोग फिर भी दु:खी हैं। उन्हें भी यह लगता था कि उन चीज़ों से उन्हें खुशी मिलेगी किंतु इस दुनिया की कोई भी चीज़ हमें सदा-सदा की खुशी नहीं दे सकती क्योंकि यहाँ की हर चीज़ अस्थायी है।

सभी संत-महापुरुष हमें समझाते हैं कि इस संसार की हर चीज़ जड़ता की बनी है और वह एक न एक दिन नष्ट हो जाती है किंतु हमारी आत्मा जोकि परमात्मा का अंष है वह जड़ नहीं, चेतन है और सदा-सदा रहने वाली है। हमारी आत्मा को सच्ची खुशी तभी मिलती है जब वह पिता-परमेश्वर से जुड़ती है। तब वह परमानंद, खुशी, प्रेम और दिव्य ज्योति से भरपूर रहती है। ध्यान-अभ्यास एक ऐसी विधि है जिसके ज़रिये हमारी आत्मा यह दिव्य अनुभव करती है। तब ही हम अपनी आत्मा को जान पाते हैं और प्रभु-प्रेम का अमृत पी सकते हैं। जो लोग ध्यान-अभ्यास करते हैं वह अपने आपको हर समय शांति और आनंद से भरा हुआ पाते हैं। यह अस्थायी शांति नहीं बल्कि ऐसी शांति है जोकि सदा-सदा हमारे साथ रहती है। हमें सिर्फ अपना ध्यान बाहर की दुनिया से हटाकर अंतर में टिकाना है ताकि हम इसका अनुभव कर सकें। इस समय हमारा ध्यान बाहर की दुनिया में फैला हुआ है। हम अपनी पाँच इन्द्रियों के द्वारा बाहरी संसार और अपने भौतिक शरीर को जान पाते हैं। लेकिन अगर हम अपने ध्यान को 'शिवनेत्र' पर एकाग्र कर लें तो हम अपनी आत्मा के खज़ानों का अनुभव कर पाएंगे। अंतर में ध्यान टिकाने की इस प्रक्रिया को कई नामों से पुकारा गया है जैसे ध्यान-अभ्यास, अंतर्मुख होना या प्रार्थना करना। जिसके ज़रिये ही हमें आंतरिक शांति प्राप्त हो सकती है।

जो लोग आंतरिक शांति का अनुभव कर लेते हैं, वो बाहरी संसार में भी शांति स्थापित करने में मददगार होते हैं। वो कैसे? क्योंकि वो अपने अंतर में शांति प्राप्त कर बाहरी दुनिया की परेशानियों में बहुत ही शांत तरीके से व्यवहार करके उनका समाधान करते हैं और धीरे-धीरे उस शांति को वे अपने चारों ओर के लोगों में भी फैलाते हैं।

तो आईये! हम दूसरों को बदलने की बजाय स्वयं को बदलें। अगर हर इंसान व्यक्तिगत स्तर पर ऐसा करे तो वह समय दूर नहीं जब बहुत से लोग शांत हो जाएंगे। यही सच्ची खुशी और शांति पाने का साधन है। यह अस्थायी शांति नहीं बल्कि ऐसी शांति है, जो सदा-सदा हमारे साथ रहती है।

टिकाऊ खेती में खरपतवार नियंत्रण का महत्व

देश की बढ़ती हुई जनसंख्या के साथ खाद्यान्नों की मांग को पूरा करना एक गंभीर चुनौती बनी हुई है। गेहूं एवं धान खाद्यान्न की ऐसी फसलें हैं, जिनमें गरीबी और भुखमरी की समस्या से लड़ने की अद्भुत क्षमता है। धान, गेहूं, जौ, मक्का, ज्वार, बाजरा हमारे देश की खरीफ की प्रमुख खाद्यान्न फसल हैं। अधिक पैदावार देने वाली खाद एवं सिंचाई का अधिक उपयोग करने में एवं उन्नत किस्मों के प्रचलन से लगभग पिछले 2 दशकों में अनाज वाली फसलों एवं दलहन एवं तिलहन की पैदावार में व्यापक वृद्धि हुई है। फिर भी इसकी औसत पैदावार इसकी क्षमता से काफी कम है। उत्पादन क्षमता में वृद्धि के लिये सुधरी खेती की सभी प्रायोगिक विधियों को अपनाना आवश्यक है और जब तक हम उन वैज्ञानिक तरीकों को नहीं अपनाते हैं, उपज में आपेक्षित वृद्धि संभव नहीं है।

देश की तेज गति से बढ़ती हुई जनसंख्या के भरण-पोषण के लिये प्रति इकाई क्षेत्र समय एवं साधन से अधिक से अधिक उत्पादन करना नितांत आवश्यक है। इसके लिये सघन कृषि प्रणाली अपनाने के साथ-साथ उत्तम किस्म का चुनाव, सही समय पर बुवाई, संतुलित मात्रा में पोषक तत्व देना, उचित समय पर सिंचाई करना, फसल को कीड़ों, बीमारियों एवं खरपतवारों से बचा कर रखना बहुत जरूरी है जिससे न केवल फसल की पैदावार बढ़ेगी, वरन उत्पादन कारकों की क्षमता भी बढ़ेगी तथा किसान की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

खरपतवारों से हानियां

- खरपतवार जो उपलब्ध पोषक तत्वों, नमी, प्रकाश एवं स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं तथा फलस्वरूप फसल की पैदावार एवं गुणवत्ता में भारी कमी ला देते हैं।
- खरपतवार फसल में लगने वाले रोगों के जीवाणुओं एवं कीट-व्याधियों को भी आश्रय देते हैं।
- एक अनुमान के अनुसार खरपतवार विभिन्न फसलों की पैदावार में 33 प्रतिशत तक की कमी करने की क्षमता का ध्यान में रखकर कहा जा सकता है कि वर्तमान की संभावित उत्पादन स्तर में ही खाद्यान्न की 103 मिलियन टन, दलहन की 15 मिलियन टन एवं तिलहन की 10 मिलियन टन की कमी हो रही हैं।

प्रमुख खरपतवार

इन फसलों में प्रभावी खरपतवार नियंत्रण के लिये उसमें उगने वाले खरपतवारों की जानकारी होना अति आवश्यक है। खरीफ एवं रबी फसलों में उगने वाले खरपतवारों को मुख्यतः तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है।

खरपतवारों की रोकथाम कैसे करें

फसलों में खरपतवारों की रोकथाम निम्न तरीकों से की जा सकती है।

- स्टेल सीड बेड (बुवाई के पहले खरपतवारों को नष्ट करना) फसलों की बुवाई से पहले खाली खेत की हल्की सिंचाई करने से अधिकांश खरपतवार ऊग आते हैं। जब ये 2-3 पत्ती के हो जाएं तो उन्हें शाकनाशी (ग्लायफोसेट अथवा पैराक्वाट का 0.50 प्रतिशत घोल) द्वारा अथवा यांत्रिक विधि से जुताई करके नष्ट किया जा सकता है जिसे मुख्य फसल में खरपतवारों की संख्या में काफी कमी आ जाती है।

शुद्ध एवं साफ बीज का प्रयोग - बुवाई के समय खरपतवार रहित एवं प्रमाणित बीज का प्रयोग करके खरपतवारों की संख्या पर काबू पाया जा सकता है। कुछ फसल के बीजों को बुवाई के पहले छन्ने से साफ करने पर खरपतवारों के बीज आकार में छोटे होने के कारण नीचे गिर जाते हैं। जैसे गेहूं में गेहूं के मामा का बीज।

किस्मों का चुनाव एवं बुवाई विधि

जहां पर खरपतवार की रोकथाम के साधनों में कमी हो वहां पर फसल की ऐसी प्रजातियों का चुनाव करना चाहिए जिनकी प्रारंभिक बढ़वार खरपतवार की तुलना में अधिक हो। ऐसी प्रजातियों खरपतवारों से प्रतिस्पर्धा करके उन्हें नीचे दबा देती हैं। छिटकवां विधि के बजाय कतारों में बुवाई करने से खरपतवारों की संख्या में कमी पायी जाती है। तथा साथ ही साथ उनके नियंत्रण में भी आसानी रहती है।

जीरोटिलेज एवं फर्ब्स - धान-गेहूं फसल चक्र में धान की कटाई के तुरन्त बाद (बिना खेत की जुताई के) जीरो टिल मशीन से गेहूं की बुवाई करने पर 'फेलरिस माइनर' खरपतवार की संख्या में काफी कमी पाई गई है। इसके अतिरिक्त फर्ब्स मशीन द्वारा बनाई गई मेढ़ों पर गेहूं की बुवाई करने से भी फेलरिस माइनर की संख्या में काफी कमी आती है। ये विधियां हमारे देश के पंजाब, हरियाणा एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में काफी लोकप्रिय है।

उचित फसल चक्र अपनाकर - एक ही फसल को लगातार एक ही खेत में बोने से खरपतवारों की संख्या काफी अधिक हो जाती है। तथा उसके नियंत्रण में काफी परेशानी उठानी पड़ती है। अतः आवश्यक है कि एक फसल को बार-बार एक ही खेत में न बोया जाय तथा उचित फसल-चक्र अपनाया जाये। धान-गेहूं फसल चक्र में फेलरिस माइनर की संख्या में काफी बढ़ोत्तरी पाई गई है। अतः इस फसल चक्र में गन्ना, बरसीम या आलू की खेती से इस खरपतवार में काफी कमी पाई गई है।

अन्तरवर्तीय फसलें उगाकर - कुछ फसलें जैसे मक्का जिनके कतारों के बीच की दूरी 60-90 सेंमी. तक होती है, खरपतवार आसानी से इन कतारों के बीच उगाकर फसल की पैदावार को कम कर देते हैं। इन कतारों के बीच यदि किसान भाई जल्दी बढ़ने वाली तथा कम समय की फसलें जैसे लोबिया, मूंग आदि को उगायें तो खरपतवारों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सकता है तथा साथ ही साथ अतिरिक्त पैदावार भी मिल सकती है।

यान्त्रिक विधि - खरपतवारों पर काबू पाने की यह सरल एवं प्रभावी विधि है। दलहनी एवं तिलहनी फसलों में खरपतवार नियंत्रण के लिये खरपतवारनाशक दवाईयों के बजाय निकाई-गुड़ाई की सिफारिश की जाती है। इन फसलों में 30-35 दिन बाद एक बार निराई-गुड़ाई करके खरपतवारों पर प्रभावी ढंग से नियंत्रण पाया जा सकता है। कतारों में बोई गई फसलों में हो चलाकर भी खरपतवारों का नियंत्रण किया जा सकता है। परंतु यांत्रिक विधि से खरपतवार नियंत्रण में समय और मजदूर अधिक लगते हैं जिससे प्रति इकाई क्षेत्रफल में लागत अधिक आती है।

खरपतवारनाशी रसायनों का प्रयोग - समय को देखते हुए खरपतवारों का नियंत्रण शाकनाशी रसायनों द्वारा करने से जहां एक ओर खरपतवारों का उचित समय पर नियंत्रण हो जाता है वहीं दूसरी ओर लागत एवं समय की भी बचत होती है। लेकिन खरपतवारनाशकों का उपयोग करते समय यह ध्यान रखना होगा कि उसकी उचित सान्द्रता को उचित विधि द्वारा उपयुक्त समय पर प्रयोग करें ताकि इनसे समुचित लाभ प्राप्त हो सके।

ज्वार के प्रमुख रोग एवं प्रबंधन

अर्गट या गूंदिया रोग

रोग के लक्षण - दानों के बाहरी भाग पर गाढ़ा, रंगहीन अथवा हल्का गुलाबी चिपचिपा स्राव बूंदों के रूप में जमा होता है। बाजरा व इस्केमस घास इस रोगकारक के अन्य परपोषी हैं।

रोकथाम - खेत के आसपास अन्य परपोषी पौधों को हटा दें। रोग के प्रारंभिक लक्षण दिखाई देते ही कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम दवा 1 लीटर पानी घोलकर (0.2 प्रतिशत) छिड़काव करें।

कंडवा रोग

रोग के लक्षण - ज्वार की फसल में चार विभिन्न प्रकार के कंडवा रोग लगते हैं। इनका पता भुट्टा आने पर ही चलता है। आवृत कंडवा में भुट्टा के सारे बीज प्रभावित होते हैं जो काले रंग के चूर्ण में बदल जाते हैं। अनावृत कंडवा में भी सारे बीज प्रभावित होकर गांठे बनती है- जिस पर हल्की सफेद रंग की परत होती है। दीर्घ कंडवा में भुट्टा के कुछ दाने संक्रमित होकर लम्बी बेलनाकार संरचनाएं बनती हैं। शीर्ष कंडवा में पूरा भुट्टा ही एक गांठ के रूप में बदल जाता है।

शीर्ष कंडवा

रोकथाम - खेत में रोगग्रस्त सिट्टे दिखाई देते ही कागज या कपड़े की थैली से इन्हें ढककर काट लें व जलाकर नष्ट कर दें। बीजों की बुवाई पूर्व थाइरम 4 ग्राम या कार्बोक्सिन 2 ग्राम/किलो बीज दर से उपचारित करें।

पत्ती धब्बा रोग

रोग के लक्षण - ज्वार पर ग्यारह प्रकार के विभिन्न पत्ती धब्बा रोगों का आक्रमण होता है। ये रोग देशी किस्मों पर व्यापकता से फैलते हैं। ये पर्ण अंगमारी, लाल धब्बा, जोनेट धब्बा, टारगेट धब्बा, कज्जलीधारी, भूरा धब्बा, खुरदरा धब्बा, डेऊक्सेलेरा पत्ती झुलसा प्रमुखता से है।

रोकथाम - ये रोग बीजोढ़ होते हैं साथ ही फसल अवशेषों में जीवित रहते हैं अतः रोगग्रस्त अवशेषों को इकट्ठा कर जला दें। रोगग्रस्त फसल के बीज बुआई के काम में न लें। रोगरोधी किस्में जैसे सीएसवी 10,15,17, सीएचएच 5,6,9,14 की बुवाई करें। चारे के लिए देशी किस्में बोयें। कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम/ किलो बीज की दर से उपचारित करें। रोग के प्रारंभिक लक्षण दिखाई देने पर मैंकोजेब 0.2 प्रतिषत का छिड़काव करें।

चारकोल तना सड़न रोग

रोग के लक्षण - इस रोग से तने के निचले भाग अथवा जड़ों पर पहले हल्के रंग के बाद में काले रंग के धब्बे बनते हैं तथा उसमें सड़न प्रारंभ हो जाती है। बहुधा इस प्रकार के पौधे झुण्डों में होते हैं तथा सूखकर गिर जाते हैं, इससे उपज में बहुत अधिक हानि होती है।

रोकथाम - यह रबी की ज्वार में नमी कम होने पर अधिक होता है, अतः नमी का मृदा में संरक्षण करें। संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करें। प्रति हैक्टेयर पौधों की संख्या अधिक या बहुत कम नहीं होनी चाहिए। ऐसी किस्में जो दाना पकते समय हरी रहती हों बोनी चाहिए क्योंकि इनमें चारकोल तना सड़न नही आता है।

सरसों में व्याधि प्रबंध

रोग एवं कीट व्याधियों का प्रबंधन वैसे तो सरसों की फसल पर एक दर्जन से अधिक रोग व कीट हानि पहुंचाते हैं परंतु प्रमुख रोग एवं कीट के नियंत्रण से भरपूर पैदावार की जा सकती है।

पत्ती झुलसन रोग - यह सरसों के झुलसा रोग के नाम से भी जाना जाता है इस रोग के लक्षण पत्ती पर गहरे भूरे गोल-गोल धब्बों के रूप में आते हैं तथा उपज में कमी के साथ तेल की मात्रा भी कम करते हैं। बचाव हेतु मेन्कोजेब 45 नामक दवा 2.5 ग्राम /लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें 2-3 छिड़काव 15 दिन के अंतराल से करें।

श्वेत किट्ट या सफेद फफोला (व्हाइट रस्ट) रोग- शीत ऋतु में जब तापमान कम एवं कोहरा होने पर यह रोग बहुत तेजी से फैलता है इसके लक्षण पत्ती की निचली सतह पर सफेद दही जैसे संरचनाओं जैसे आकार के होते हैं बाद में पुष्प वृन्त एवं फलियों पर भी लक्षण दिखाई देते हैं फली अनियमित आकार की टेढ़ी-मेढ़ी केंकड़ा जैसी आकृति की हो जाती है नियंत्रण हेतु रिडोमिल एम जेड 72 नामक दवा 2 ग्राम/लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर छिड़काव करें या 2.5 ग्राम मेन्कोजेब/लीटर पानी का छिड़काव 10-15 दिन के अंतराल पर दो बार करें।

चूर्णिल आसिता (पाउड्री मिल्ड्यू) - यह रोग तापमान बढ़ने पर अधिक तेजी से फैलता है रोग पत्तियों, तने व फलियों पर सफेद चूर्ण (पाउडर) जैसे संरचनाओं के रूप में फैलता है। नियंत्रण हेतु घुलनशील गंधक या सल्फैक्स 2 किलोग्राम दवा 800 लीटर पानी में घोल बनाकर/हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

तना सड़न या पोलियो रोग - एक ही खेत में बार-बार सरसों की फसल बोने से यह रोग बढ़ता है। इसके धब्बे सबसे पहले तने के निचले हिस्से में गोल-गोल आकृति के रूप में आते हैं, बाद में ऊपर तक फैल जाते हैं पौधा कमजोर होकर एवं तना पोला होकर रोगग्रस्त स्थान से टूट जाता है।

नियंत्रण हेतु - फसल चक्र अपनाएं एवं रोगग्रस्त पौधों को एकत्रित कर नष्ट करें गहरी जुताई करें, सरसों घनी न बोएं। बीजोपचार कार्बेन्डाजिम 3 ग्राम दवा/किलो बीज के हिसाब से करें, तथा 1 ग्राम /लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर बुवाई के 50 दिन, 65 दिन एवं 80 दिन की फसल पर छिड़काव करें, 2 प्रतिशत लहसुन का अर्क बीजोपचार एवं छिड़काव दोनों के लिए उपयुक्त एवं रोग को कम करता है।

कीट नियंत्रण

दगीला बग/बगराड़ा कीट (पेन्टेड वग)- राई सरसों की फसल को यह कीट दो बार नुकसान पहुंचाता है जब पौधे छोटे होते हैं तब और जब फली बनती है तब, कीट के शिशु एवं प्रौढ़ दोनों ही इसे चूसते हैं जिसकी पत्तियों और पौधों पर सफेद धब्बे स्पष्ट दिखाई देते हैं नियंत्रण हेतु पौधों के अवशेषों को नष्ट कर दें। मेड़ों को साफ रखें, फसल काटने के तुरन्त बाद गहरी जुताई करें जिससे प्रकोप कम होगा। डायमिथियेट या मेटासिस्टाक्स 25 ई.सी. 500 मि.मी. दवा 500 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

माहू या चैंपा (एफिड) - इस कीट को लसा के नाम से भी जाना जाता है यह छोटे पंख एवं पंख रहित दोनों तरह के हरे, पीले रंग के होते हैं। कीट के शिशु एवं प्रौढ दोनों ही बढ़ने वाले भागों फूलों कलियों, फलियों आदि का झुण्डों में चिपककर रस चूसते हैं, पौधों की बढ़वार रुक जाती है। पैदावार एवं तेल की मात्रा पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है नियंत्रण हेतु समय पर बोनी करें, प्रकोप की प्रारंभिक अवस्था में कीट प्रभावित टहनियों को तोड़कर नष्ट कर दें डायमिथियेट या मेटासिस्टाक्स 25 ई.सी. 1 लीटर मात्रा 500 लीटर पानी में घोल बनाकर 15 दिन के अंतर से दो छिड़काव करें। मधु-मक्खियों की सुरक्षा के लिये कीटनाशकों का प्रयोग दोपहर के बाद करें।

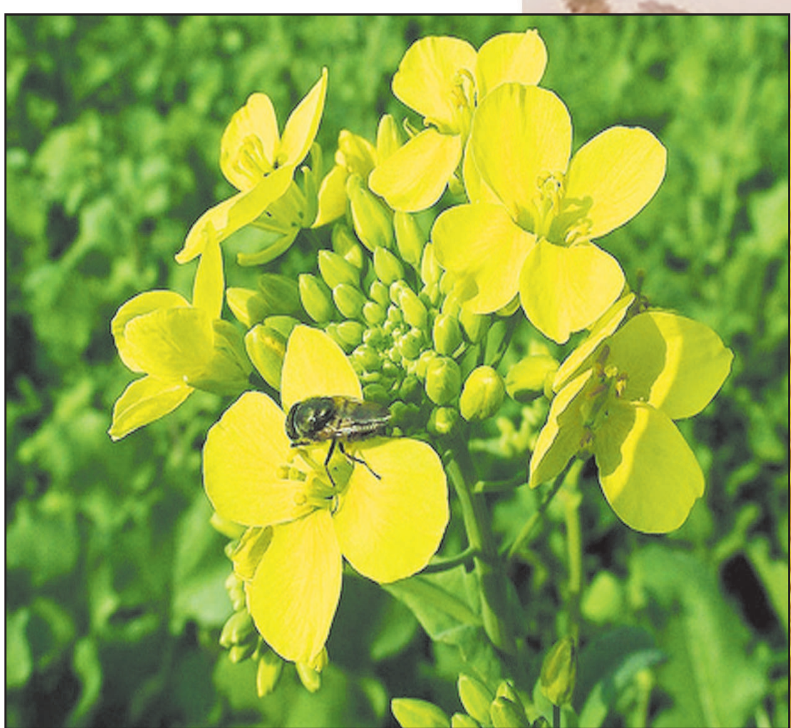

शीर्ष 100 कंपनियों के शेयरों की लक्ष्य कीमत घटी

मुंबई । कुछ बड़ी कंपनियों के शेयरों में गिरावट आ सकती है. बाजार विश्लेषकों के अनुसार निफ्टी 100 इंडेक्स में शामिल कंपनियों में से आधी कंपनियों के शीर्ष रेट को घटा दिया गया है. 50 कंपनियों के रेट घटाएं गए हैं.उन कंपनियों की आय पिछली तिमाही की तुलना में काफी कम हो गई है. 2023 की पहली तिमाही में जिन कंपनियों के टारगेट प्राइस में कमी आई है. उनमें ई-कॉमर्स कंपनी नायिका और इंडस टावर शामिल हैं. ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के अनुसार 2022 की दूसरी छमाही में एनालिस्टों ने टॉप शेयर 100 शेयरों में से लगभग 40 फ़ीसदी कंपनियों के टारगेट प्राइस में कटौती की है.

सेबी ने चार संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाया

नई दिल्ली । पूंजी बाजार के नियामक सेबी ने शुक्रवार को चार कंपनियों को स्वीकृति के बगैर निवेश परामर्श सेवाएं देने के लिए प्रतिभूति बाजारों से छह महीने के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कोर्स वर्क फोकस और इसके मालिक शशांक हिरवानी, कैपिटल रिसर्च के मालिक गोपाल गुप्ता और कैपर्स के मालिक राहुल पटेल को छह महीने के लिए प्रतिभूति बाजार में भागीदारी करने से रोक दिया है। दो अलग-अलग आदेशों में सेबी ने अपनी पड़ताल में पाया कि ये कंपनियां निवेश सलाहकार के रूप में प्रमाण पत्र प्राप्त किए बिना अनाधिकृत निवेश सलाहकार सेवाओं में लगी हुई थीं।

आरबीआई ने महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनें सियल और इंडियन बैंक पर लगाया जुर्माना

नई दिल्ली । कर्ज मंजूर करते समय ब्याज दरों में खुलासे संबंधी नियमों का पालन नहीं करने के मामले में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड पर 6.77 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। एक अन्य विज्ञप्ति में आरबीआई ने कहा कि अपने ग्राहक को जानिए (केवाईसी) के कुछ मानदंडों का उल्लंघन करने पर इंडियन बैंक पर 55 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। एनबीएफसी (रिजर्व बैंक) दिशा-निर्देशों में धोखाधड़ी की निगरानी, 2016 के कुछ प्रावधानों का पालन नहीं करने पर एर्नाकुलम स्थित मुथूट मनी लिमिटेड पर भी 10.50 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। रिजर्व बैंक ने कहा कि जुर्माना विनियामक अनुपालन में कमियों पर आधारित हैं और ग्राहकों के साथ उनके द्वारा किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता से इसका संबंध नहीं है। आरबीआई ने कहा कि महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज का वैधानिक निरीक्षण 31 मार्च, 2019 और 31 मार्च, 2020 तक इसकी वित्तीय स्थिति के संदर्भ में किया गया है।

अडाणी ग्रीन इनर्जी को बीएसई और एनएसई से मिली राहत

नई दिल्ली ।

बीएसई और एनएसई ने अडाणी ग्रुप की रिन्यूएबल एनर्जी इकाई अडाणी ग्रीन इनर्जी को अब लांग टर्म एएसएम फ्रेमवर्क के स्टेज वन में रखने का फैसला लिया है। बता दें कि यह फैसला 10 अप्रैल से लागू हो जाएगा। स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा मिली जानकारी के मुताबिक अदाणी ग्रुप के इस स्टॉक को अतिरिक्त निगरानी फ्रेमवर्क के सेकंड स्टेज से फर्स्ट स्टेज में ट्रांसफर किया जाएगा। एनएसई-बीएसई ने 28 मार्च 2023 को अडाणी ग्रुप के इस स्टॉक को लॉन्ग टर्म एएसएम फ्रेमवक के दूसरे स्टेज में ट्रांसफर किया था। इस फैसला के बाद अडाणी ग्रीन एनर्जी को एक्सचेंजों से बड़ी राहत मिली है। बाजार नियामक निवेशकों के हितों को ध्यान में रखकर किसी भी शेयर में अधिक उतार-चढ़ाव को देखकर उसे एडिशनल सर्विलांस मेजर्स फ्रेमवर्क में शामिल कर देता है। हालांकि कुछ पैरामीटर्स के हिसाब से ही कंपनी के शेयरों को फ्रेमवर्क में डाला जाता है। किसी भी स्टॉक को शॉर्टलिस्ट करने के लिए उसके हाई-लो वैरिएशन, प्राइस बैंड हिट्स की संख्या, क्लोज टू क्लोज प्राइस वेरिएशन, कंज्यूमर एक्टिव और प्राइस अर्निंग रेशियो के आधार पर फ्रेमवर्क में डाला जाता है। बता दें कि शेयरों को इसके तहत दो प्रकार की लिस्ट शॉर्ट टर्म एएसएम और लॉन्ग टर्म एएसएम में रखा जाता है। शॉर्ट टर्म एएसएम में 2 स्टेज होती हैं और लांग टर्म में चार स्टेज।

जैसे ही स्टेज बढ़ते जाते हैं, वैसे ही शेयरों की ट्रेडिंग के लिए भी और अंतर की जरूरत पड़ने लगती है।

क्रेडिट कार्ड की तरह यूपीआई मै क्रेडिट सुविधा

नई दिल्ली । रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए,यूपीआई को और आकर्षक बनाने का फैसला किया है। यूपीआई उपयोग करने वालों को अब क्रेडिट कार्ड जैसी सुविधाएं दी जाएंगी। बैंकों की ओर से उपयोगकर्ता को पूर्व में स्वीकृत लिमिट तक की अधिक राशि का उपयोग करने की सुविधा दी जाएगी। यूपीआई ग्राहकों को भी अब क्रेडिट कार्ड जैसी सुविधाएं मिलने से इसका उपयोग तेजी के साथ बढ़ेगा।

यूपीआई का दायरा बढ़ाएगा आरबीआई

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक ने यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस) का दायरा बढ़ाने का निर्णय किया। इसके तहत बैंकों से पहले से स्वीकृत कर्ज सुविधा को यूपीआई से जोड़ा जाएगा। देश में यूपीआई लोकप्रिय और मजबूत भुगतान मंच है। फिलहाल देश में खुदरा डिजिटल भुगतान में मात्रा के लिहाज से इसकी 75 प्रतिशत हिस्सेदारी है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा की जानकारी देते हुए कहा कि देश में भुगतान डिजिटलीकरण लक्ष्यों के अनुरूप उत्पादों और सुविधाओं को विकसित करने के लिये यूपीआई प्रणाली का उपयोग किया गया है। उन्होंने कहा` कि अब जमा खातों के अलावा बैंकों में पूर्व-स्वीकृत ऋण सुविधा से हस्तांतरण को सक्षम करके यूपीआई के दायरे का विस्तार करने का प्रस्ताव है। यानी` कि यूपीआई नेटवर्क बैंकों से पहले से स्वीकृत कर्ज सुविधा के जरिये रकम के भुगतान की सुविधा प्रदान करेगा। इससे इस तरह की पेशकश की लागत कम हो सकती है और घरेलू बाजार के लिए अनूठे उत्पादों के विकास में मदद मिलेगी। दास ने कहा कि यह पहले से मंजूर कर्ज से जुड़ा है। इसका मतलब है कि बैंक की तरफ से मंजूर कर्ज सुविधा और ग्राहक अब यूपीआई के जरिये परिचालन कर सकते हैं।फिलहाल यूपीआई के जरिये होने वाला लेनदेन बैंकों में जमा खातों के बीच होता है। कुछ मामलों में वॉलेट सहित प्री-पेड कार्ड के जरिये भी इसका उपयोग किया जाता है। केंद्रीय बैंक इस संबंध में जल्द ही विस्तृत निर्देश जारी करेगा।

देश के 20,000 करोड़ के आइसक्रीम बाजार में उतरने को तैयार मुकेश अंबानी

इसी गर्मी लांच होगी आइसक्रीम

मुंबई ।

रिलायं इंडस्ट्रीज देश में तेजी से उभर रहे आइसक्रीम मार्केट में उतरने जा रही है। सूत्रों ने बताया कि रिलायंस रिटेल वेंचर्स की एफएमसीजी कंपनी रिलायंस कंज्यूमर प्रॉडक्ट्स इंडिपेंडेंस ब्रांड के साथ प्रवेश कर सकती है। कंपनी ने पिछले साल गुजरात में यह ब्रांड लांच किया था। कंपनी आइसक्रीम बनाने के काम को आउटसोर्स करने के लिए गुजरात की एक कंपनी के साथ बातचीत कर रही है। बाजार एक्सपर्ट्स का कहना है कि रिलायंस के आने से ऑर्गेनाइज्ड आइसक्रीम मार्केट में कंप्टीशन बढ़ सकता है। देश का आइसक्रीम मार्केट 20,000 करोड़ रुपये से अधिक का है। इसमें 50 फीसदी हिस्सेदारी ऑर्गेनाइज्ड सेक्टर की है। सूत्रों के मुताबिक उसकी गुजरात की आइसक्रीम कंपनी के साथ बातचीत आखिरी स्तर पर है। कंपनी इसी साल गर्मियों में अपनी आइसक्रीम लांच कर सकती है। कंपनी अपने डेडिकेटेड ग्रॉसरी रिटेल आउटलेट्स के जरिए आइसक्रीम की बिक्री कर सकती है। कंपनी इंडिपेंडेंस ब्रांड के तहत एडिबल ऑयल, दाल, अनाज और पैकेज्ड फूड बेचती है। अन्य जानकार ने कहा रिलायंस के आने से आइसक्रीम बाजार में भारी बदलाव आ सकती है और कंप्टीशन बढ़ जाएगा। यह देखना दिलचस्प होगा कि कंपनी के प्रॉडक्ट्स की रेंज क्या होगी और वह किन मार्केट्स पर फोकस करती है। भारत का आइसक्रीम मार्केट 20,000 करोड़ का है। इसमें ऑर्गेनाइज्ड सेक्टर की हिस्सेदारी 50 फीसदी है। देश के लोगों की डिस्पोजेबल इनकम बढ़ रही है। इसके साथ ही देश में आइसक्रीम मार्केट के अगले पांच साल में डबल डिजिट ग्रोथ की उम्मीद है। ग्रामीण इलाकों में भी मांग बढ़ रही है। इसके बाद कई और कंपनियां भी इस मार्केट में उतर सकती हैं। बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कई कंपनियां अपनी कैपेसिटी बढ़ा रही हैं। रिलायंस ने हाल में डेयरी सेक्टर के दिग्गज आरएस सोढ़ी को अपने साथ जोड़ा है। सोढ़ी कई साल तक अमूल में काम कर चुके हैं।

2023 में वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 3 प्रतिशत से नीचे गिर सकती है: आईएमएफ चीफ

वाशिंगटन ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रमुख ने विश्व अर्थव्यवस्था की वर्ष 2023 में वृद्धि दर 3 फीसदी से भी कम रहने की आशंका जताई है। इससे वैश्विक स्तर पर भूख और गरीबी के जोखिम बढ़ रहे हैं। आईएमएफ की मैनेजिंग डायरेक्टर क्रिस्टलिना जॉर्जीवा ने कहा कि वैश्विक वृद्धि दर के अगले 5 सालों में लगभग 3 फीसदी ही रहने का अनुमान है। यह 1990 के बाद से हमारा मध्यम अवधि का सबसे कम वृद्धि पूर्वानुमान है। धीमी वृद्धि एक गंभीर झटका होगा, जिससे कम आय वाले देशों के लिए कठिनाई बढ़ जाएगीवैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर पिछले साल 3.4 फीसदी रही है। जॉर्जीवा ने यह चेतावनी भी दी कि वैश्विक वृद्धि के सुस्त पड़ने से गरीबी और भुखमरी बढ़ सकती है, जो कोविड संकट के कारण पहले ही चुनौती बनी हुई है। उन्होंने इसे एक खतरनाक प्रवृत्ति बताया। वहीं आईएमएफ ने कहा है कि भारत ने व्यापक उपयोग वाला एक विश्वस्तरीय डिजिटल सार्वजनिक ढांचा खड़ा किया है जो दूसरे देशों के लिए भी अर्थव्यवस्था और लोगों के जीवन में बदलाव लाने का सबक हो सकता है। डिजिटल सार्वजनिक ढांचे के तहत विशिष्ट पहचान (आधार), यूपीआई और आधार-समर्थित भुगतान सेवा के साथ डिजिलॉकर एवं खाता एग्रिगेटर जैसे डेटा विनिमय की व्यवस्था शामिल है।

अडाणी बिलमर की पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में बिक्री 14 प्रतिशत बढ़ी

मुंबई । अडाणी समूह की खाने का तेल और अन्य खाद्य कारोबार से जुड़ी कंपनी अडाणी विल्मर ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में उसकी बिक्री करीब 14 प्रतिशत बढ़ गई` जिससे उसका राजस्व 55,000 करोड़ रुपए से अधिक हो गया। अडाणी विल्मर की एक साल पहले कुल आय 54,327.16 करोड़ रुपए रही थी। कंपनी ने शेयर बाजारों को बताया कि कंपनी की हाल ही में समाप्त वित्त वर्ष में बिक्री सालाना आधार पर बढ़कर 14 प्रतिशत रही। बिक्री में वृद्धि ने इसके राजस्व को इस वर्ष 55,000 करोड़ रुपए के पार पहुंचाने में मदद की। बयान के मुताबिक कंपनी ने अपने परिचालन को बढ़ाने और खाद्य उत्पादों में बाजार हिस्सेदारी हासिल करने में अच्छी प्रगति की है। कंपनी ने कहा कि हमने वित्त वर्ष 2022-23 का अंत खाद्य और रोजमर्रा के उपयोग वाली वस्तुओं (एफएमसीजी) की श्रेणी में लगभग 3,800 करोड़ रुपये के राजस्व के साथ किया। इस तरह मात्रा के मामले में हमने सालाना आधार पर लगभग 40 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की जबकि राजस्व के मामले में 55 प्रतिशत बढ़त हासिल की। अडाणी विल्मर ने कहा कि आयातित खाद्य तेलों की आपूर्ति वर्ष के पहले भाग की तुलना में चौथी तिमाही के दौरान सुचारू रही है। अडाणी विल्मर, भारत के अडाणी समूह और सिंगापुर के विल्मर समूह का एक संयुक्त उद्यम है। यह भारत में सबसे बड़ी उपभोक्ता खाद्य एफएमसीजी कंपनियों में से एक है।

इस गर्मी नहीं बढ़ेगी एसी की कीमत

मुंबई ।

एक जमाना था कि दिल्ली में भी बिजली कटौती होती थी। लेकिन अब हालात बदले हैं। देश में जितनी बिजली की कुल डिमांड है, उससे ज्यादा की उत्पादन क्षमता है। इसका असर भी दिखा है। बिजली से चलने वाले उपकरणों की बिक्री खूब बढ़ रही है। गांवों में भी अब एसी, फ्रिज और वाशिंग मशीन जैसे उपकरणों की तेज बिक्री हो रही है। इस बीच खबर आई है कि इस साल एयर कंडीशनर या एसी के दाम नहीं बढ़ने वाले हैं।

एयर कंडीशनर बनाने वाली कंपनी ब्ल्यू स्टार के एक अधिकारी कहना है कि चाहे विंडो एसी की बात करें या स्प्लिट एसी की, किसी के दाम नहीं बढ़ने वाले हैं। दरअसल पिछले साल ही एक जुलाई से एसी के स्टार रेटिंग में अपग्रेडेशन हुआ था। अब अगला अपग्रेडेशन एक जनवरी 2025 से होगा। स्टार अपग्रेडेशन होने से एसी ज्यादा एनर्जी एफिशिएंट हुए थे, लेकिन इसके दाम में भी बढ़ोतरी हो गई थी। आमतौर पर जब स्टार रेटिंग का अपग्रेडेशन होता है तब एसी ज्यादा एफिशिएंट हो जाता है। उस एसी में बिजली की खपत करीब 10 फीसदी घट जाती है। इसी के साथ एसी के दाम में भी करीब सात फीसदी की बढ़ोतरी होती है। यह पिछले साल ऐसा ही हुआ है। साथ ही पिछले साल रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरु होने से कॉपर की कीमतों में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई थी। इस साल कॉपर की कीमतें लगभग स्थिर हैं। इसलिए एसी के बाजार में दाम बढ़ने की संभावना एकदम से कम है। हां, यदि रुपया और डॉलर के बीच एक्सचेंज रेट बिगड़ता है, तब अलग बात है।

वहीं उन्होंने कहा कि इस साल होम एसी की बिक्री में अच्छी बढ़ोतरी होगी। उनके मुताबिक एसी की बिक्री में करीब 25 फीसदी का इजाफा होगा। उनका कहना है कि अभी भी भारत में एसी की डिमांड काफी कम है। देश में वर्तमान करीब 40 करोड़ गृहस्थ हैं। इनमें से महज एक करोड़ लोगों के घर में ही एसी लगा हुआ है। शहरों में भी 7-9 प्रतिशत घरों में ही एसी लगे हैं। इसके विपरीत विकसित देशों के शहरों में 90 फीसदी घरों में आपको एसी दिखेगा।

भारती अर्थव्यवस्था में इस समय जिस तरह से विस्तार हो रहा है, उसके फलस्वरूप लोगों की आमदनी भी बढ़ रही है। साथ ही शहरों, कस्बों और गांवों में भी बिजली की सप्लाई बेहतर हुई है। इस वजह से अब गांवों में भी एसी की बिक्री अच्छी हो रही है। उनका कहना है कि सिर्फ इसी साल ही नहीं, बल्कि अगले पांच साल तक एसी की बिक्री में करीब 25 फीसदी की बढ़ोतरी होगी।

ओएनडीसी नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने व्यवस्था बनाने में जुटा

नई दिल्ली ।

सरकारी ई-कॉमर्स मंच ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) ऑनलाइन खुदरा कारोबार से जुड़ी इकाइयों के लिए नियमों के अनुपालन के लिए एक व्यवस्था बनाने में जुटा हुआ है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही। ओएनडीसी सभी प्रकार के ई-कॉमर्स ऑनलाइन खुदरा कारोबार के लिए एक खुले मंच को प्रोत्साहन देना चाहता है। इससे छोटे खुदरा विक्रेताओं को ई-कॉमर्स माध्यम से अपना कारोबार फैलाने और इस क्षेत्र में बड़ी कंपनियों के दबदबे को कम करने में मदद मिलेगी। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि अगर कोई कंपनी हमारे नियमों का पालन नहीं करती है तो हम कार्रवाई करेंगे। हम कुछ चीजों को अंतिम रूप दे रहे हैं। कानून का पालन होना चाहिए। हम इसके लिए एक व्यवस्था बना रहे हैं। निजी जानकारियों की सुरक्षा और शिकायत समाधान तंत्र की स्थापना पर नियम व्यापक ओएनडीसी नेटवर्क नीति का हिस्सा होंगे। ओएनडीसी द्वारा पिछले साल जारी परामर्श पत्र के अनुसार शिकायत प्रबंधन पर नीति के अध्यायों में से एक अध्याय खरीदारों और विक्रेताओं द्वारा उनके खिलाफ दायर शिकायतों को प्रबंधित करने और हल करने के लिए तंत्र तैयार करेगा। गैर-लाभकारी कंपनी के रूप में गठित ओएनडीसी विक्रेताओं या लॉजिस्टिक सेवाएं देने वालों या भुगतान मंच संचालकों को स्वैच्छिक ढंग से अपनाने के लिए मानक तैयार करती है।

रघुराम राजन ने दी चेतावनी, अभी और गहरा सकता है बैंकिंग संकट

अमेरिका में दो बड़े बैंक डूब गए और यूरोप का प्रमुख बैंक क्रेडिट सुइस बिक गया

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने आने वाले दिनों में बैंकिंग संकट के और गहरा जाने की संभावना व्यक्त की है। अमेरिका में हाल में दो बड़े बैंक डूब गए और यूरोप का प्रमुख बैंक क्रेडिट सुइस बिक गया। राजन ने कहा कि एक दशक तक सेंट्रल बैंक्स ने ईजी मनी और भारी लिक्विडिटी की लत लगा दी है। अब वे पॉलिसी को सख्त बना रहे हैं जिससे वित्तीय प्रणाली में संकट पैदा हो गया है। राजन इंटरनेशनल मॉनीटरी फंड (आईएमएफ) के चीफ इकनॉमिस्ट भी रह चुके हैं। अभी यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो बूथ स्कूल ऑफ बिजनेस में पढ़ा रहे राजन 2013 से 2016 तक आरबीआई के गवर्नर रहे थे। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक राजन ने कहा` कि मैं बेहतर स्थिति की उम्मीद करता हूं लेकिन आने वाले दिनों में यह संकट गहरा सकता है। सिलिकॉन वैली बैंक और क्रेडिट सुइस ग्लोबल फाइनेंशियल सिस्टम की समस्याओं का संकेत हैं। राजन ने 2008 में आए ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस की पहले ही भविष्यवाणी कर दी थी। उन्होंने 2005 में जैक्सन होल स्पीच में बैंकिंग सेक्टर में संकट की चेतावनी दी थी। तब अमेरिका के ट्रेजरी सेक्रेटरी लैरी समर्स ने उनका मजाक उड़ाया था। राजन ने कहा कि सरकारों ने सेंट्रल बैंकर्स को फ्री राइड दिया है। वे 2008 के फाइनेंशियल क्राइसिस के बाद एक दशक के दौरान उठाए गए कदमों को तेजी से पलट रहे हैं। मॉनीटरी पॉलिसी का असर काफी ज्यादा है। केंद्रीय बैंकों ने सिस्टम को लिक्विडिटी से भर दिया है जिससे बैंकों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उन्होंने सिस्टम को इसकी लत लगा दी है। सिस्टम में लो रिटर्न लिक्विड एसेट्स की बाढ़ ला दी। अब बैंक कह रहे हैं कि अब बहुत हो गया है। हम इसका क्या करेंगे। मार्च में अमेरिकी बैंकों से 400 अरब डॉलर की निकासी हुई।

पेंशन सिस्टम की समीक्षा के लिए समिति का गठन

- समिति सुझाव देगी कि एनपीएस के मौजूदा ढांचे में कोई बदलाव जरूरी है या नहीं

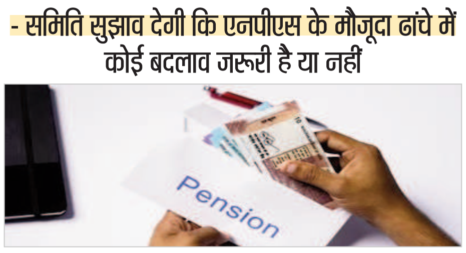

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्रालय ने सरकारी कर्मचारियों के लिए पेंशन सिस्टम की समीक्षा के लिए वित्त सचिव टीवी सोमनाथन की अगुआई में एक समिति गठित की गई है। समिति सुझाव देगी कि क्या सरकारी कर्मचारियों पर लागू नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) के मौजूदा ढांचे में कोई बदलाव जरूरी है या नहीं। समिति राजकोषीय निहितार्थों और समग्र बजटीय प्रभाव को ध्यान में रखते हुए एनपीएस के तहत शामिल सरकारी कर्मचारियों के पेंशन लाभों में सुधार की दृष्टि से इसे संशोधित करने पर सुझाव देगी।

सोमनाथन की अगुआई में समिति में कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के सचिव, व्यय विभाग के विशेष सचिव और पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के चेयरमैन बतौर सदस्य होंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले महीने कहा था कि वित्त सचिव की अगुआई वाली समिति सरकारी कर्मचारियों के लिए एनपीएस के अंतर्गत पेंशन संबंधी मुद्दों को देखेगी। यह घोषणा कई गैर-भाजपाई राज्यों द्वारा ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) को बहाल करने और कुछ अन्य राज्यों में कर्मचारी संगठनों द्वारा इसकी मांग करने की पृष्ठभूमि में हुई है। राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड, पंजाब और हिमाचल प्रदेश की राज्य सरकारों ने पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने के अपने निर्णय के बारे में केंद्र को सूचित करते हुए एनपीएस के तहत संचित कोष को वापस करने का अनुरोध किया है। वित्त मंत्रालय ने पिछले साल संसद को बताया था कि वह एक जनवरी, 2004 के बाद भर्ती हुए केंद्र सरकार के कर्मचारियों के संबंध में ओपीएस बहाल करने के किसी भी प्रस्ताव पर विचार नहीं कर रहा है।

आईपीएल में आज आमने-सामने होंगे मुंबई इंडियंस और सीएसके

मुंबई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में शनिवार को मुंबई इंडियंस का सामना चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से होगा। इस मैच में दोनो ही टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला होना तय है। कप्तान रोहित शर्मा की मुम्बई जहां पांच बार जबकि महेन्द्र सिंह धोनी की सीएसके चार बार खिताब विजेता रही हैं। मुम्बई को इस मैच में घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा पर सीएसके के पास धोनी जैसे करिश्माई कप्तान हैं जो हालातों को बदल सकते हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो मुम्बई का पलड़ा भारी नजर आता है। दोनों टीमों के बीच तब तक हुए 34 मुकाबलों में से मुंबई ने 20 मैच जीते है।

आईपीएल के इस सत्र में अब तक इन दोनो ही टीमों का सफर अच्छा नहीं रहा है। मुम्बई को जहां पहले ही मैच में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं सीएसके को भी पिछले मैच में हार झेलनी पड़ी थी। उस मैच में टीम की गेंदबाजी बेहद खराब रही थी यहां तक की धोनी को परेशान होकर कहना पड़ा कि या तो गेंदबाज ठीक से गेंदबाजी करें या नय कप्तान तलाश लें।

उस मैच में दोनो ही युवा गेंदबाजों राजवर्धन हैंगरगेकर और तुषार देशपांडे ने काफी नो बाल कीं थीं। इस मैच में अब इन दोनो ही गेंदबाजों पर वानखेड़े मैदान की बल्लेबाजी पिच पर अच्छे प्रदर्शन का दबाव रहेगा।

मुंबई के खिलाफ मैच में जीत के लिए चेन्नई के स्पिनरों मोईन अली और मिशेल सेंटनर को प्रभावी प्रदर्शन करना होगा। सीएसके की अंतिम एकादश में दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज सिसंडा मगाला को भी जगह मिल सकती है। सिसंडा अच्छी यॉर्कर डालने के लिए जाने जाते हैं हालांकि अंतिम एकादश में उनके आने से सेंटनर को बाहर रहना होगा।

वहीं दूसरी ओर मुंबई के कप्तान रोहित को इस मैच में जीत के लिए बड़ी पारी खेलनी होगी। वह अब तक बल्लेबाजी में विफल रहे हैं। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ तेज शुरुआत की थी पर वह उसे बड़े स्कोर में नहीं बदल पाये। इस मैदान की बाउंड्री छोटी है और ऐसे में मुम्बई के अनुभवी तेज गेंदबाजों जोफ्रा आर्चर, अरशद खान, कैमरून ग्रीन के लिए आरसीबी के रुतुराज गायकवाड़ या डेवोन कॉनवे जैसे बल्लेबाजों को रोकना कठिन होगा। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और झाय रिचर्डसन की जगह पर टीम में शामिल संदीप वॉरियर और रिले मेरेडिथ से भी टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीदें रहेंगी।

इस मैदान पर शुरुआती ओवरों में तेज गेंदबाजों को सहायता सकती है पर चेन्नई के पास अनुभवी तेज गेंदबाज नहीं हैं और इसका फायदा मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज उठा सकते हैं। युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा अच्छे फार्म में हैं। पिछले मैच में नेहाल वढेरा के साथ मिलकर उन्होंने अच्छी साझेदारी बनायी थी। टीम को जीत दर्ज करने के लिए अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी।

दूसरी ओर सीएसके की बल्लेबाजी रुतुराज गायकवाड़ और डेवोन कॉनवे पर आधारित रहेगी। इन दोनो ने ही अब तक अच्छा प्रदर्शन किया था। रुतुराज ने शुरुआती दोनों मैच में अर्धशतक लगाकर अपनी लय दिखायी है। टीम को उम्मीद रहेगी कि दायें हाथ का यह बल्लेबाज आगे भी बेहतर प्रदर्शन करेगा। कॉनवे लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अर्धशतक नहीं लगा पाये थे पर उन्होंने गायकवाड़ के साथ शतकीय साझेदारी में साथ दिया था।

इसके अलावा सीएसके के पास मध्य क्रम में शिवम दूबे और मोईन अली जैसे अच्छे खिलाड़ी है। टीम के पास अनुभवी अंबाती रायुडू के अलावा धोनी हैं जो किसी भी प्रकार के हालातों में आक्रामक बल्लेबाजी कर सकते हैं। कुल मिलाकर देखा जाये तो सीएसके टीम की बल्लेबाजी मुंबई की तुलना में बेहतर दिख रही है। चेन्नई के लिए चिंता का सबब गेंदबाजी विभाग है। युवा तेज गेंदबाज नो बॉल फेंकने से बाज नहीं आ रहे हैं और दीपक चाहर चोट के बाद लय हासिल करने में विफल रहे हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

मुंबई इंडियंस : रोहित शर्मा (कप्तान), सूर्यकुमार यादव, टिम डेविड, डेवाल्ड ब्रेविस , तिलक वर्मा, ईशान किशन, ट्रिस्टन स्टब्स, विष्णु विनोद, कैमरून ग्रीन, अर्जुन तेंदुलकर, रमनदीप सिंह, शम्स मुलानी, रिले मेरेडिथ, नेहाल वढेरा, रितिक शोकीन, अर्शद खान, डुआन जेनसन, पीयूष चावला, कुमार कार्तिकेय, राघव गोयल, जोफ्रा आर्चर, जैसन बेहरेनडोर्फ, आकाश मढवाल।

चेन्नई सुपर किंग्स : महेंद्र सिंह धोनी (कप्तान), डेवोन कॉनवे, रुतुराज गायकवाड़, अंबाती रायुडु, मोईन अली, बेन स्टोक्स, रविंद्र जडेजा, अजिंक्य रहाणे, सिसंडा मगाला, रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, ड्वेन प्रिटोरियस, अजय मंडल, निशांत सिंधु, राजवर्धन हैंगरगेकर, मिशेल सेंटनर, सुभ्रांशु सेनापति, सिमरजीत सिंह, मथिसा पथिराना, महीश तीक्षणा, भगत वर्मा, प्रशांत सोलंकी, शेख रशीद, तुषार देशपांडे।

चार्ल्सटन ओपन : शीर्ष वरीयता प्राप्त पेगुला टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में

चार्लेस्टन (एजेंसी)। चार्ल्सटन। शीर्ष वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने लगातार 10 गेम गंवाए और अंतिम सेट में एक समय वह 0-4 से पीछे चल रही थी लेकिन इसके बाद उन्होंने जबरदस्त वापसी करके चार्ल्सटन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। विश्व में तीसरे नंबर की अमेरिकी खिलाड़ी पेगुला ने 15वीं वरीयता प्राप्त इरिना कैमिलिया बेगु को तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले में 7-5, 4-6 , 6-4 से हराया। पेगुला को अगर क्वार्टर फाइनल में 12वीं वरीयता प्राप्त पाउला बडोसा को हराकर अंतिम चार में जगह बनानी है तो उन्हें अपने खेल में निरंतरता दिखानी होगी।

बडोसा ने एक अन्य मैच में डायना स्नायडर पर 6-3, 6-1 से जीत दर्ज की। दूसरी वरीयता प्राप्त ओन्स जाबेर, तीसरी वरीय डारिया कसातकिना और मौजूदा चैंपियन बेलिंडा बेनसिच भी क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रहे। जाबेर ने कारोलिन डोलहाइड को 6-3, 7-5 से, कसातकिना ने बर्नार्डा पेरा को 6-3, 7-6 (3) से और बेनसिच ने शेल्बी रोजर्स को 4-6, 7-5, 6-2 से हराया।

बांग्लादेश ने आयरलैंड से एकमात्र टेस्ट मैच सात विकेट से जीता

मीरपुर (एजेंसी)। अनुभवी मुश्फिकर रहीम की शानदार बल्लेबाजी से बांग्लादेश ने शुक्रवार को यहां आयरलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट क्रिकेट मैच में चौथे दिन लंच के कुछ देर बाद ही सात विकेट से जीत हासिल की। आयरलैंड ने पहली पारी में 214 रन बनाए जिसके जवाब में बांग्लादेश ने 369 रन बनाकर मजबूत बढ़त हासिल की। आयरलैंड ने अपनी दूसरी पारी में 292 रन बनाए और इस तरह से बांग्लादेश के सामने 138 रन का लक्ष्य रखा। बांग्लादेश ने तीन विकेट खोकर यह लक्ष्य हासिल किया। पहली पारी में 126 रन बनाने वाले रहीम ने दूसरी पारी में नाबाद 51 रन बनाए। उनके अलावा मोमिनुल हक ने नाबाद 20 रन बनाए। लिटन दास ने 23 रन की तेजतर्रार पारी खेलकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई थी। तमीम इकबाल ने 31 रन का योगदान दिया। इससे पहले आयरलैंड ने अपनी दूसरी पारी छह विकेट पर 286 रन से आगे बढ़ाई और बांग्लादेश ने 36 मिनट के अंदर उसके बाकी बचे चार विकेट हासिल कर दिए। तेज गेंदबाज इबादत हुसैन ने एंडी मैकब्राइन को बोल्ड किया जो अपने कल के स्कोर में केवल एक रन जोड़ पाए। मैकब्राइन ने 72 रन बनाए जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। उनके आउट होने के बाद आयरलैंड की पारी सिमटने में देर नहीं लगी। आयरलैंड की दूसरी पारी का आकर्षण लोरकान टकर का शतक रहा। उन्होंने 162 गेंदों का सामना करके 108 रन बनाए। वह केविन ओ ब्रायन के बाद अपने पदार्पण टेस्ट मैच में शतक जड़ने वाले आयरलैंड के दूसरे बल्लेबाज बने।

आईपीएल: राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बेहतर बल्लेबाजी करना चाहेगा दिल्ली कैपिटल्स

गुवाहाटी (एजेंसी)। बल्लेबाजों के लचर प्रदर्शन के कारण पहले दो मैचों में हार का सामना करने वाले दिल्ली कैपिटल्स को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के वर्तमान सत्र में अगर जीत का खाता खोलना है तो उसे राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले मैच में बेहतर बल्लेबाजी करनी होगी। पहले दो मैचों में मार्क वुड और अलजारी जोसेफ जैसे गेंदबाजों ने पृथ्वी साव और सरफराज खान जैसे दिल्ली के बल्लेबाजों को दहशत में डाल दिया था। इन प्रतिभाशाली बल्लेबाजों का आत्मविश्वास अभी डिगा हुआ है और ऐसे में उनके लिए ट्रेंट बोल्ट, केएम आसिफ और जेसन होल्डर जैसे गेंदबाजों का सामना करना आसान नहीं होगा।

इसके अलावा राजस्थान के पास रविचंद्रन अश्विन और युजवेंद्र चहल जैसे स्पिनर है जो बारसपारा स्टेडियम की बल्लेबाजों के लिए अनुकूल परिस्थितियों में भी विरोधी टीम को परेशानी में डाल सकते हैं। आक्रामक सलामी बल्लेबाज जोस बटलर का इस मैच में खेलना संदिग्ध है जो दिल्ली के लिए अच्छी खबर हो सकती है। बटलर पिछले मैच में कैच लेते समय चोटिल हो गए थे और उनके बाएं हाथ की छोटी उंगली में टांके लगे हैं। यदि बटलर नहीं खेल पाते हैं तो जो रूट हो उनके स्थान पर अंतिम एकादश में जगह मिल सकती है। ऋषभ पंत की अनुपस्थिति के बावजूद दिल्ली कैपिटल्स की बल्लेबाजी कागजों पर मजबूत नजर आती है लेकिन साव और सरफराज जैसे बल्लेबाजों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के गेंदबाजों का सामना करने में परेशानी हो रही है।

बल्लेबाजों के नहीं चल पाने के कारण दिल्ली को पहले दोनों मैच गंवाने पड़े। टीम का सबसे कमजोर पक्ष उसके पास अनुभवी भारतीय बल्लेबाजों का अभाव है। यदि कोचिंग स्टाफ सरफराज की जगह किसी नए बल्लेबाज को रखना भी चाहेगा तो दिल्ली के पास यश धुल, रिपल पटेल और ललित यादव के रूप में ही विकल्प मौजूद है। इनमें से कोई भी खिलाड़ी ऐसा नहीं है जिसने 150 की स्ट्राइक रेट से लगातार रन बनाये हो। जहां तक राजस्थान रॉयल्स की बात है तो सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और कप्तान संजू सैमसन अच्छे फॉर्म में चल रहे हैं और वह एनरिक नोर्किया, खलील अहमद और कुलदीप यादव जैसे गेंदबाजों के सामने कड़ी चुनौती पेश कर सकते हैं। राजस्थान रॉयल्स ने अपना पिछला मैच गंवाया था लेकिन इसके बावजूद वहां इस मैच में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा।

फाइनलिसिमा फुटबॉल : इंग्लैंड ने ब्राजील को हराकर पहला महिला खिताब जीता

लंदन। इंग्लैंड ने क्लो केली के गोल के दम पर ब्राजील को यहां पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से पराजित करके पहला महिला फाइनलिसिमा फुटबॉल प्रतियोगिता का खिताब जीता। यह मुकाबला यूरोप और दक्षिण अमेरिका की चैंपियन टीमों के बीच खेला जाता है। वेम्बले में खेले गए इस फाइनल मैच को देखने के लिए 83,132 दर्शक स्टेडियम में पहुंचे थे। इलिया टूने के 23वें मिनट में किए गए गोल से इंग्लैंड की जीत सुनिश्चित लग रही थी लेकिन ब्राजील ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के तीसरे मिनट में बराबरी का गोल दाग दिया। ब्राजील की एंड्रेसा अल्वेस ने इंग्लैंड की गोलकीपर मैरी एर्प्स की गलती का फायदा उठाते हुए स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद मैच पेनल्टी शूटआउट तक खिंच गया जिसमें इंग्लैंड की तरफ से जॉर्जिया स्टैनवे, राचेल डेली, एलेक्स ग्रीनवुड और केली ने गोल करके जीत सुनिश्चित की। दोनों टीम ने मैच शुरू होने से पहले पेले को श्रद्धांजलि अर्पित की जिनका पिछले साल दिसंबर में निधन हो गया था।

कोहली और डु प्लेसिस को शुरुआत में बड़ें शॉट से बचना चाहिये था : कोच

कोलकाता । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के बल्लेबाजी कोच संजय बांगर अपनी टीम की हार से निराश हैं पर उनका मानना है कि विराट कोहली और कप्तान फाफ डु प्लेसिस जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को शुरुआत में बड़े शॉट खेने से बचने का प्रयास करना चाहिये था। इस मैच में आरसीबी की टीम को 81 रनों से बड़ी बाहर झेलनी पड़ी थी। केकेआर ने सात विकेट पर 204 रन बनाने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को 123 रनों पर ही समेट दिया था। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी की टीम केकेआर के स्पिनरों सुनील नरेन, वरुण चक्रवर्ती और युवा सुयश शर्मा का सामना नहीं कर पाये थे। बांगर ने कहा, '' मुझे लगा कि हमारे कुछ बल्लेबाज बड़े शॉट खेलने में संयम बरत सकते थे। इसको लेकर हम खिलाड़ियों से बात करेंगे। टी20 खेल का छोटा प्रारूप है और यहां आप बहुत जल्दी मैच हाथ से निकल जाता है।'' बांगर ने कहा, '' हमारे कई बल्लेबाजों को स्पिनरों ने परेशान किया और गेंद उनके बल्ले के अंदरूनी किनारा पर लगी या उसके पास से गुजरी। इस दौरान हमने दबाव में स्पिनरों को खेलने में कई गलतियां कीं।''इस मैच में नरेन के अलावा , चक्रवर्ती और सुयश ने कुल मिलकर नौ विकेट लिए। बांगर ने कहा कि नरेन और चक्रवर्ती जैसे स्पिनरों से निपटने के लिए बल्लेबाजों को आगे बढ़कर खेलना चाहिये।

फेरी भारतीय महिला हॉकी टीम, हल्केट पुरुष टीम के विश्लेषणात्मक कोच बने

-मुख्य कोच यानेके शोपमैन की सहायता करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने ऑस्ट्रेलियाई कोच एंथनी फेरी को भारतीय महिला हॉकी टीम जबकि दक्षिण अफ्रीका के रेट हल्केट को पुरुष टीम का विश्लेषणात्मक कोच बनाया है। इसके साथ ही दोनों टीमों के लिए अन्य सहायक स्टाफ सदस्यों की भी घोषणा कर दी गयी है। गौरतलब है कि फेरी के मार्गदर्शन में ही कनाडा की पुरुष टीम ने 2016 रियो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था। इसके साथ ही उनके विश्लेषणात्मक कोच करते जापान की महिला टीम ने 2018 में एशियाई खेलों का अपना पहला स्वर्ण पदक हासिल किया था। अब भारतीय टीम के साथ वह अपनी नयी भूमिका में मुख्य कोच यानेके शोपमैन की सहायता करेंगे। फेरी के कोच रहते ही कनाडाई पुरुष अंडर 21 टीम ने जूनियर विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया था। वह अगस्त 2020 से अप्रैल 2022 तक अमेरिका की महिला टीम के कोच और हाई परफार्मेंस निदेशक भी रहे हैं। फैरी और हल्केट के अलावा हॉकी इंडिया ने राष्ट्रीय पुरुष टीम के वैज्ञानिक सलाहकार के रूप में ऑस्ट्रेलिया के एलन टैन का नाम घोषित किया है। हल्केट और टैन दोनों ही दक्षिण अफ्रीका के नये मुख्य कोच क्रेग फुल्टन के नेतृत्व वाली पुरुष टीम के कोचिंग सदस्यों की टीम में शामिल होंगे। हल्केट ने दक्षिण अफ्रीका के लिए 2010 से 2018 तक 155 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। वह 2020 में नीदरलैंड के सहायक कोच भी रहे थे। वहीं टैन को 'न्यू साउथ वेल्थ इंस्टीट्यूट और स्पोर्टर्स' में 'स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग' कोच के तौर पर 10 साल का अनुभव है ऐसे में उनके आने से भारतीय हॉकी टीम को उनके अनुभवों का लाभ मिलेगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने कहा, '' हम पुरुष और महिला टीम में नये कोचिंग सदस्यों का स्वागत करते हैं। हॉकी इंडिया की तरफ से मैं तत्काल आधार पर उनकी नियुक्तियों को पूरा करने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) को धन्यवाद देता हूं।''

शाहरुख के साथ नाचते दिखे विराट

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के सहमालिक और बॉलवुड अभिनेता इंडियन शाहरुख खान भी रॉयल चैलेंसर्ज बैंगलोर (आरसीबी) के साथ हुए मैच को देखने पहुंचे थे। इस मैच में अपनी टीम केकेआर की जीत के बाद शाहरुख अपनी फिल्म पठान के गाने पर डांस करने लगे। शाहरुख आरसीबी के पूर्व कप्तान विराट कोहली से भी मिले ओर दोनो एक साथ डांस और हंसीमजाक करते भी दिखे। इस दौरान विराट के पैर में पट्टी बंधी थी पर उन्होंने इसकी चिंता नहीं की।

इस मैच में हालांकि विराट अधिक रन नहीं बना पाये और 18 गेंदों में 3 चौके की सहायता से 21 रन ही बना पाये। सुनील नरेन की गेंद पर वह बोल्ड हुए। विराट के अलावा आरसीबी के अन्य बल्लेबाज भी केकेआर के स्पिनरों का सामना नहीं कर पाये।

टीम के कप्तान फाफ डु प्लेसिस 23, मिचेल ब्रेसवेल 19 के अलावा दो अन्य खिलाड़ी ही दो अंकों तक पहुंच पाये।

वरुण चक्रवर्ती ने सबसे अधिक 4, सुनील नरेन ने 2 और युवा स्पिनर सुयस शर्मा ने 3 विकेट लिए जबकि एक विकेट शार्दुल ठाकुर ने लिया। इससे पहले कोलकाता नाइटराइडर्स ने निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 204 रन बनाए थे।

रूस की एलेक्जेंड्रा गोरयाचिना ने जीता फीडे महिला ग्रां प्री खिताब

नई दिल्ली । रूस की महिला शतरंज खिलाड़ी एलेक्जेंड्रा गोरयाचिना ने फीडे महिला ग्रां प्री शतरंज खिताब जीता है। इस टूर्नामेंट में शीर्ष तीन खिलाड़ियों को बराबर अंक मिले पर एलेक्जेंड्रा को टाई-ब्रेकर में अधिक अंक के कारण जीत मिली। यहां हुए तीसरे चरण में शीर्ष तीन दावेदारों ने अपने अंतिम दौर की बाजिया ड्रॉ खेली जिससे वे सभी 6 अंको पर पहुँच गयी पर टाईब्रेक के बाद, रूस की एलेक्जेंड्रा को शीर्ष स्थान मिल गया। वहीं कजाकिस्तान की बिबिसारा असौबायेवा दूसरे जबकि चीन झू जिनर तीसरे स्थान पर रही। रूस की ही लागनों काटेरयना और पोलिना शुवालोवा 6 अंक हासिल करने के साथ ही चौथे और पांचवें स्थान पर आईं। वहीं भारत की शीर्ष खिलाड़ी कोनेरु हम्पी 5.5 अंक के साथ ही छठे स्थान पर रही। जॉर्जिया की नीनों बताश्विली 4.5 अंक के साथ ही टाईब्रेक के आधार पर सातवे जबकि भारत की हरिका द्रोणावल्ली को आठवों स्थान मिला।

बच्चों को खेल के लाभ बताने ओलंपिक मूल्य आधारित कार्यक्रम से जुड़ा : बिंद्रा

नई दिल्ली । ओलंपिक स्वर्ण विजेता निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने कहा है कि वह बच्चों को खेल के लाभ बताने और ओलंपिक मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए ही देश में ओलंपिक वैल्यू एजुकेशन कार्यक्रम से जुड़े थे। ओलंपिक संघ और उड़ीसा सरकार के शिक्षा विभाग के इस कार्यक्रम में ओडिशा राज्य के 90 सरकारी स्कूलों में लगभग 50,000 बच्चों को शामिल किया गया था। बिंद्रा ने कहा कि इस कार्यक्रम का परिणाम अब तक अच्छा रहा है। इस कार्यक्रम से इन स्कूलों में खेलों में भागीदारी 50 फीसदी बढ़ गयी है। कम उपस्थिति वाले सरकारी प्राइमरी स्कूल में खेलों को बढ़ावा मिलने के बाद से ही छात्रों की संख्या में 12 फीसदी की बढ़त आई है। एक स्कूल में एक विकलांग छात्र तक फुटबॉल के मैदान पर लेकर आया। आज वह लड़का अपने जिले का प्रतिनिधित्व करता है। उसका कहना है कि वह जहां भी जाता है इसके खेलों का प्रचार-प्रसार करता है। आईओसी एथलीट आयोग के सदस्य बिंद्रा ने कहा खेल के जरिये निशानेबाज के रूप में उनके करियर ने उन्हें ओलंपिक मूल्यों के प्रति आजीवन प्रतिबद्धता के प्रति प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि मैं अब भारत में स्कूली बच्चों के साथ उन मूल्यों को शेयर कर रहा हूं। साथ ही कहा कि खेल हमें हमें बेहतर करने के लिए प्रेरित करते हैं।

टाइगर वुड्स की ऑगस्टा मास्टर्स में निराशाजनक शुरुआत

ऑगस्टा। दिग्गज गोल्फर टाइगर वुड्स ने ऑगस्टा मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट के पहले दौर में 74 का कार्ड खेलकर निराशाजनक शुरुआत की जबकि जॉन रहम सहित तीन खिलाड़ियों ने पहले दौर में संयुक्त बढ़त बनाई। वुड्स का मास्टर्स में 2005 के बाद यह सबसे खराब प्रदर्शन है। उन्होंने तब अगले तीन दौर में 65-66-71 का स्कोर बनाकर अच्छी वापसी की थी लेकिन उनका हालिया रिकॉर्ड बताता है कि उनके लिए इस बार वापसी करना मुश्किल होगा। वुड्स मास्टर्स टूर्नामेंट में पेशेवर खिलाड़ी के रूप में कभी कट से नहीं चूके हैं लेकिन यदि वह दूसरे दौर में भी वापसी नहीं कर पाते हैं तो उनके लिए सप्ताहांत के खेल में जगह बनाना आसान नहीं होगा।

आईपीएल खेलने के लिए पंजाब में होगी इस घातक खिलाड़ी की वापसी, विस्फोटक ऑलराउंडर जल्द जुड़ेगा टीम के साथ

नयी दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के बल्लेबाज लियाम लिविंगस्टोन जल्द ही पंजाब कैपिटल्स की जर्सी पहने आईपीएल में हिस्सा लेते दिखाई देंगे। इंग्लैंड के बल्लेबाज ने उम्मीद जताई है कि उन्हें इंग्लैड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की ओर से जल्द ही फिटनेस मंजूरी मिल जाएगी जिसके बाद वो आईपीएल में हिस्सा ले सकेंगे।

माना जा रहा है कि 29 वर्षीय खिलाड़ी ने लंबे समय से चली आ रही चोट से ऊबरने में सफलता हासिल की है जिसके बाद वो अपने घुटने की चोट से उबरेंगे। लियाम लिविंगस्टोन का कहना है कि वो अब पहले से बेहतर महसूस कर रहे है। संभावना है कि वह अपनी टीम पंजाब किंग्स से 10 अप्रैल को जुड़ेंगे। लिविंगस्टोन चार महीने पहले पाकिस्तान में टेस्ट पदार्पण के दौरान चोटिल हो गए थे। इससे पहले लिविंगस्टोन संभावना जता चुके थे कि वो पंजाब की टीम के दूसरे मुकबाले में उपलब्ध होंगे मगर ऐसा नहीं हो सका।

दरअसल लिविंगस्टोन के घुटने में चोट लगी है जिसके कारण वह उसके बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेल पाए। इस बीच उनकी पिछले साल के टखने की चोट भी उभर आई थी। आईपीएल के एक सूत्र ने कहा कि लिविंगस्टोन 10 अप्रैल को भारत आ रहे है। इस सूत्र ने कहा, '' वह सोमवार को यहां पहुंच जायेंगे।'' पंजाब किंग्स को अपना अगला मुकाबला नौ अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलना है और यह तय है कि टीम को इस मैच में लिविंगस्टोन की सेवाएं नहीं मिलेंगी।

वह हालांकि 13 अप्रैल को सत्र में टीम के चौथे मैच के लिए मैदान पर उतर सकते है। लिविंगस्टोन ने गुरुवार को कहा कि वह पूर्ण फिटनेस हासिल करने के करीब है। लिविंगस्टोन ने कहा,'' मैं अब उस मुकाम पर पहुंच रहा हूं। पिछले दो महीने बेहद मुश्किल रहे लेकिन आखिरकार अब मैं छोटे बच्चे की तरह क्रिकेट खेलने को लेकर बेहद उत्साहित हूं।''

उन्होंने कहा,'' उम्मीद है कि अगले दो दिन के अंदर मुझे वहां जाने के लिए मंजूरी मिल जाएगी। मैं खेलने के लिए बेताब हूं और उम्मीद है कि अगले 48 घंटों में आखिरकार मुझे इसकी मंजूरी मिल जाएगी।'' लिविंगस्टोन पंजाब किंग्स के लिए अहम खिलाड़ी हैं। टीम ने उन्हें पिछले साल नीलामी से पहले 11.50 करोड़ रुपये के करार पर रिटेन किया था। उन्होंने पिछले सत्र में 182.08 के स्ट्राइक रेट से 437 रन बनाए थे।

गुजरात के भूविज्ञान और खान आयुक्त की रॉयल्टी 2000 करोड़ के पार, जियो केमिकल मैपिंग शुरु किया गया

अहमदाबाद ।

भूविज्ञान और खान आयुक्त (सीजीएम) ने घोषणा की है कि वित्त वर्ष 22-23 के लिए रॉयल्टी कलेक्शन की इनकम में पिछले वर्ष की तुलना में 19 प्रतिशत की वृद्धि हु है, जिससे 2070 करोड़ से अधिक रुपये प्राप्त हुए है। इसे संस्था के इतिहास में सर्वोच्च कलेक्शन माना जा रहा हे. यह अतिरिक्त आय सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को भी पार कर गई है। एक पारदर्शी, नवीनत्तम और टिकाऊ व्यवस्था को लागू करके, सीजीएम ने गुजरात की खनिज संपदा का विकास किया है। जबकि स्न्ङ्ग19-20 और स्न्ङ्ग20-21 में कोविड और कई अन्य मैक्रोइकॉनॉमिक कारकों के कारण गिरावट देखी गई, पिछले वर्षFY21 में 1352 करोड़ रुपये से 1,733 करोड़ रुपये का उछाल देखा, जो खनन उद्योग में आनेवाली तेजी का संकेत था। FY21 और FY22 के बीच, ष्टत्ररू ने अपने रॉयल्टी संग्रह में 28त्न की वृद्धि देखी है, जो कि अपनी टीम, सरकारी अधिकारियों और खनन उद्योग के हितधारकों के सामूहिक प्रयासों के कारण अपने लक्ष्य से कहीं अधिक है। सीजीएम ने अपने इतिहास में रॉयल्टी कलेक्शनसब से अधिक 2070 करोड़रुपये के लक्ष्य को पार किया है। । यह पिछले वर्ष की तुलना में 19.44% अधिक है। पूरे रॉयल्टी संग्रह में प्रमुख खनिजों जैसे चूना पत्थर, बॉक्साइट, लिग्नाइट आदि का योगदान 30त्न है। जबकि सामान्य रेत, ब्लैकट्रैप, ग्रेनाइट, मार्बल, चाइना क्ले, बिल्डिंग स्टोन आदि जैसे गौण खनिजों का योगदान पूरे रॉयल्टी संग्रह में 70% है। इस उपलब्धि पर, भूतत्व और खान के निवर्तमान आयुक्त श्री रूपवंत सिंह ने कहा, यह रॉयल्टी संग्रह प्रक्रिया को कारगर बनाने के लिए विभिन्न उपायों को लागू करने का परिणाम है, जैसे सिंगल विन्डो प्रणाली, माइनिंग लीझ दस्तावेजों का डिजिटलीकरण, निगरानी के लिए प्रौद्योगिकी को अपनाना। उन्होनें आगे बताया की, यह संभव नहीं होता अगर पूरे इकोसिस्टम ने साथ नहीं दिया होता। यह आने वाले समय का एक छोटा सा उदाहरण है और स्थायी खनन प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार की दृष्टि से अधिक माईनिंग लीझ को मंजुरी दी जा रही हैं। हम इन्टिग्रेटेड लीझ माइनिंग सीस्टम से सर्वोत्तम उपायों के उपयोग और संचालन कर रहे हैं, ई-नीलामी मार्गों को लागू कर रहे हैं जो नदी की रेत के विकल्पों के मूल्यांकन के लिए पारदर्शिता और जवाबदेही लाते हैं। हम जियो केमिकल मैपिंग शुरू करने वाले पहले राज्य भी हैं। जियो केमिकल मैपिंग के हिस्से के रूप में, राज्य में पड़ने वाली कुल 236 टोपोशीट में से 86 टोपोशीट 54412 स्क्वैयर किलोमीटर के क्षेत्र में पूरी हो चुकी हैं; नमूना विश्लेषण और मानचित्रण जीएसआई मानदंडों के अनुसार किया जाता है। सीजीएम रिपोर्ट लिखने के लिए आधुनिक सिस्टम सर्फर, मानचित्र जानकारी, और जियोसॉफ्ट मोंटाज-जियोकेमिस्ट्री सॉफ्टवेयर का उपयोग करता है।

गुजरात में कोरोना की स्थिति निपटने स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह तैयार: स्वास्थ्य मंत्री

अहमदाबाद।

गुजरात समेत देश के कई राज्यों में फिर एक बार कोरोना संक्रमण बढ़ने लगा है। जिसे लेकर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने महत्वपूर्ण बैठक की। जिसमें राज्यों के स्वास्थ्य मंत्री और स्वास्थ्य सचिवों के अस्पतालों में टेस्टिंग और मोकड्रील को लेकर चर्चा की। केन्द्रीय मंत्री की बैठक में गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल भी शामिल हुए। स्वास्थ्य विभाग, नीति आयोग और अन्य अधिकारी भी इस बैठक में वर्च्युअली शामिल हुए। केन्द्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने बैठक में टेस्टिंग समेत राज्यों के पास उपलब्ध वैक्सीन और दवाईयों के स्टॉक पर चर्चा की। बैठक के बाद गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने कोरोना को लेकर कहा कि एक्सबीबी 1.6 सब वेरिएन्ट के मामले सामने आ रहे हैं।

केवल गुजरात ही नहीं बल्कि देश के कई राज्यों में कोरोना के केस बढ़ रहे हैं। फिलहाल गुजरात में कोरोना के 2141 सक्रिय मरीज हैं। उन्होंने कहा कि आगामी 10 और 11 अप्रैल को राज्य के कोरोना अस्पताल में मोकड्रील का आयोजन कियागया है। गुजरात का स्वास्थ्य विभाग कोरोना की रोकथाम के साथ ही किसी भी स्थिति से निपटने को पूरी तरह तैयार है। हांलाकि पिछले सप्ताह के मुकाबले जारी सप्ताह में कोरोना के मामले घटे हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार से वैक्सीन की मांग की गई है, जो जल्द ही मिलने की संभावना है। बता दें कि गुरुवार को गुजरात में कोरोना के 32। केस दर्ज हुए थे, जिसमें सबसे अधिक 95 मामले अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में सामने आए थे। अहमदाबाद में कोरोना से एक मरीज की मौत भी हो गई थी।

भरुच में तीन सफाई कर्मियों की मौत पर मानवाधिकार आयोग का गुजरात सरकार को नोटिस

अहमदाबाद।

भरुच जिले के दहेज में 3 सफाईकर्मियों की मौत के मामले पर स्वत: संज्ञान लेते हुए राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने गुजरात सरकार को नोटिस जारी किया है। आयोग ने गुजरात के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक से 6 सप्ताह के भीतर घटना की पूरी रिपोर्ट मांगी है। दरअसल दो दिन पहले भरुच जिले की दहेज ग्राम पंचायत में गटर की सफाई के दौरान तीन सफाईकर्मियों की मौत हो गई थी। तीनों कर्मचारी कोन्ट्रेक्ट बेज पर काम करते थे। इस मामले में दहेज ग्राम पंचायत के सरपंच और उप सरपंच के पति के खिलाफ एट्रोसिटी और मानव वध का केस दर्ज किया गया है। हांलाकि मामला दर्ज होने के बाद दोनों आरोपी जयदीपसिंह राणा और महेश गोहिल फरार हो गए। जबकि तलाटी को सस्पैंड कर दिया गया था। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने तीन सफाईकर्मियों की मौत के मामले में मीडिया रिपोर्ट से स्वत: संज्ञान लेते हुए गुजरात सरकार को नोटिस जारी किया है। आयोग ने गुजरात के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक के 6 सप्ताह के भीतर इस मामले में अपनी रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है। इस घटना में सफाईकर्मियों को सुरक्षा के साधन नहीं मुहैया कराने का भी आयोग ने संज्ञान लिया है। आयोग के मुताबिक दहेज की दुर्घटना संबंधित अधिकारियों की लापरवाही दर्शाता है, जिसकी वजह से पीड़ितों के जीवन के अधिकार का उल्लंघन हुआ है। यह कारण बताकर संबंधित अधिकारी मुक्त नहीं हो सकते कि दुर्घटना प्राइवेट प्रोपर्टी में हुई थी। राज्य सरकार को अपनी रिपोर्ट में सार्वजनिक प्रतिनिधियों के खिलाफ की गई कार्यवाही और पीड़ति परिवारों को दी गई राहत व पुनर्वास की स्थिति की जानकारी भी अपनी रिपोर्ट में दे।

साड़ी व्यापारी को डरा-धमका कर 12 लाख ऐंठने वाले जीएसटी अधिकारी समेत 3 गिरफ्तार

सूरत। शहर के वराछा क्षेत्र में एक साडी व्यापारी को डरा-धमकाकर रु. 12 लाख ऐंठने के आरोप में वराछा पुलिस ने जीएसटी अधिकारी समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने व्यापारी को बिल में गड़बड़ी का हवाला देते हुए 10 साल की जेल और 80 लाख जुर्माना के नाम पर डराया था। साड़ी व्यापारी ने डरकर रु. 12 लाख आरोपियों को दिए थे। जानकारी के मुताबिक राज-स्थान के जोधपुर के मूल निवासी धीरेन्द्रसिंह उर्फ धीरज मंगलसिंह राजपुरोहित पिछले 10 साल से सूरत के वराछा स्थित पुरानी बोम्बे मार्केट में साड़ी, चणिया-चोली की धीरज फैशन नामक दुकान चलाते हैं। गत 30 मार्च को धीरेन्द्रसिंह अपनी दुकान पर बैठे थे, उस वक्त तीन अज्ञात शख्स उनकी दुकान में घुस आए। जिसमें से एक के हाथ में मौजूद फाइल पर भारत सरकार की लोगो वाली फाइल थी। वह व्यक्ति जीएसटी का अधिकारी था। दुकान में घुसते ही जीएसटी अधिकारी समेत तीनों शख्सों ने बिलों में गड़बड़ी का हवाला देते हुए धीरेन्द्रसिंह को बताया कि आप को रु. 80 लाख जुर्माना भरना होगा। साथ ही 10 वर्ष की सजा भी हो सकती है। जीएसटी अधिकारी की बात सुनकर धीरेन्द्रसिंह डर गए और उन्होंने मेरे पास रु. 80 लाख नहीं हैं। इस जीएसटी अधिकारी ने सेटलमेंट के नाम पर रु. 45 लाख मांगे। बातचीत के बाद धीरेन्द्रसिंह ने दुकान में रखे रु. । लाख और घर से रु. 5 लाख समेत कुल 12 लाख रुपए तीन शख्सों को दे दिए। रुपए लेने के बाद जीएसटी अधिकारी समेत तीनों लोगों के जाने के बाद धीरेन्द्रसिंह ने अपने एकाउन्टन्ट से बात की और पूरी घटना की जानकारी दी। एकाउन्टन्ट ने बताया कि इस प्रकार कोई भी जीएसटी अधिकारी जुर्माना नहीं ले सकता और ना ही सीसीटीवी बंद करवाकर कोई कार्यवाही करता है। एकाउन्टन्ट से बातचीत के बाद धीरेन्द्रसिंह को अहसास हुआ कि कोई जीएसटी के नाम पर उनसे 12 लाख रुपए ले गया। जिसके बाद धीरेन्द्रसिंह ने वराछा पुलिस थाने में तीन अज्ञात शख्सों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी। पुलिस की जांच में पता चला कि धीरेन्द्रसिंह की दुकान में रेड करने पहुंचे तीन शख्सों में से एक जीएसटी अधिकारी राकेश शर्मा है जो सेन्ट्रल जीएसटी में सेवारत है। जबकि उसके साथ आए अन्य दो शख्सों को जीएसटी विभाग से कोई लेना-देना नहीं है। राकेश शर्मा ने अपने मुखबिरों से जानकारी जुटाकर धीरेन्द्रसिंह की दुकान पर रेड की योजना बनाई थी और इसके अंतर्गत वह अपने तीन साथियों के साथ उसकी दुकान पहुंच गया। पहले दुकान का दरवाजा और बाद में सीसीटीवी भी बंद कर दिया। बाद में बिल में गड़हड़ी का हवाला देते हुए धीरेन्द्रसिंह को 10 साल की जेल और रु. 80 लाख जुर्माना होने का डर दिखाया। जिससे भयभीत होकर धीरेन्द्रसिंह ने रु. 12 लाख उसे दे दिए।

भारत का सबसे युवा वेल्थ एडवाइजर्स गुजरात में अपनी पहली शाखा खोलने के लिए तैयार

सूरत भूमि, सूरत। हेल्थ इज वेल्थ को आगे बढ़ाने और निवेश के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए गुजरात में एक वित्तीय संस्थान शुरू होने जा रहा है। वेल्थ एडवाइजर्स - केरल में भौतिक शाखाओं के साथ गुजरात का पहला निवेश अनुकूल वित्तीय संस्थान ने सूरत में एक और शाखा खोलने की घोषणा की है। संस्थान के नए विंग का उद्देश्य अगली पीढ़ी के उद्यमियों के लिए एक-स्टॉप वित्तीय सेवा समाधान विकसित करना है जो छात्रों को स्टॉक मार्केट, एल्गो सॉफ्टवेयर के पेशेवरों और विपक्षों, धोखाधड़ी की रोकथाम जैसे विषयों पर वित्तीय प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान करेगा। खातों को घोटाले और बहुत कुछ करना सिखाया जाएगा।

वित्तीय स्वतंत्रता के संपूर्ण दृष्टिकोण में लोगों के लिए सलाहकार सेवाओं की बढ़ती आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, संस्थान ने ऐसे मॉड्यूल तैयार किए हैं जो नए उम्मीदवारों को प्रोत्साहित करेंगे। द वेल्थ एडवाइजर के संस्थापक शानवास पीएस ने कहा कि निवेश किसी देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नए संस्थान के माध्यम से, हम उन अधिकतम छात्रों तक पहुंचना चाहते हैं जो निवेश मॉड्यूल को समझकर और विश्लेषण, सूचकांक विश्लेषण, स्टॉक विश्लेषण, तकनीकी और बुनियादी बातों में वर्तमान रुझानों के बारे में गहराई से ज्ञान प्राप्त करके अपने करियर को आगे बढ़ाने के इच्छुक हैं।

निवेश जोखिमों को सरल बनाकर, संस्थान पाठ्यक्रमों का एक गुलदस्ता प्रदान करता है जो संभावित व्यापारियों को मार्गदर्शन करने में मदद करेगा। शेयर बाजार को समझना और मिथकों को तोड़ना एक महत्वपूर्ण कदम है। लोगों को स्टॉक निवेश, सामान्य रूप से पैसे की हानि और धोखाधड़ी और स्कैमर्स के मिथकों से अवगत कराया जाएगा, और संस्थान लाइव ट्रेडिंग सहायता और इंटर्नशिप सहित एआई मॉड्यूल सहित बुनियादी और उन्नत पाठ्यक्रमों की संपत्ति प्रदान करता है। वेल्थ एडवाइजर समाज और राष्ट्र को सटीक ज्ञान और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए भविष्य में भारत में और संस्थान खोलना चाहता है। यह बताते हुए शानवास पीएस ने यह भी कहा, च्मौजूदा शेयर उद्योग को शेयर बाजार का सटीक विश्लेषण करने के लिए प्रशिक्षित कर्मियों की जरूरत है और इस प्रकार इस संगठन के साथ हमारा उद्देश्य बाजार की मौजूदा स्थितियों के अनुसार पूर्ण बाजार विश्लेषण पेश करना और एक अनूठा मिश्रण प्रदान करना है। उद्योग के विशेषज्ञों और आकाओं द्वारा गहन उद्योग और अकादमिक जुड़ाव होगा।

गुजरात में वित्तीय जागरूकता विकसित करने का एक प्रयास

गुजरात में वित्तीय साक्षरता के मुद्दे पर अभी भी जोर देने की जरूरत है। हम दोनों मुद्दों को कवर करके धन सृजन के लिए ज्ञान प्रदान करके एक वित्तीय जागरूकता अभियान शुरू कर रहे हैं क्योंकि शिक्षण संस्थानों में धन सलाहकारों से संबंधित कोई कार्यक्रम नहीं हैं और वे जहां हैं वहां व्यावहारिक हैं। मैं भी शानवास पीएस के इस तरह के काम से प्रेरित हूं और इसे गुजरात में शुरू करने जा रहा हूं।

उधना के उजलेश्वर महादेव मंदिर में श्री हनुमान जयंती मनाई गई

सूरत भूमि, सूरत । इस वर्ष हनुमान जयंती के अवसर पर पूरे देश के हनुमान मंदिर में खुब उत्सव मनाया गया। ऐसे में उधना के विजय नगर स्थित उजलेश्वर महादेव मंदिर में श्री हनुमान जयंती धूमधाम से मनायी गयी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भक्तों ने दादा के दर्शन का लाभ उठाया।

लार्ज एंड मिड कैप फंड क्या हैं?: विशाल डी गांधी, म्यूचुअल फंड वितरक द्वारा

सूरत ।

लार्ज एंड मिड कैप फंड्स इक्विटी म्यूचुअल फंड स्कीमें हैं जिन्हें मुख्य रूप से सबसे बड़े और मध्यम आकार के व्यवसायों के शेयरों में निवेश करने का अधिकार है। इस तरह के फंड का निवेश ब्रह्मांड देश की शीर्ष 250 सूचीबद्ध कंपनियां हैं। ये डायवर्सिफाइड स्कीमें हैं और फंड मैनेजर के पास मार्केट वैल्यूएशन के मुताबिक कंपनियों के अलग-अलग सेट में फंड के कॉर्पस को आवंटित करने की छूट होती है।

आमतौर पर, एक लार्ज और मिड कैप स्कीम बाजार के नेताओं (लार्ज कैप) और आगामी चैलेंजर्स (मिड-कैप) के शेयरों में प्रबंधन के तहत संपत्ति का न्यूनतम 35त्न निवेश करेगी। शेष 30त्न को आधार के बीच कहीं भी निवेश किया जा सकता है। सापेक्ष आकर्षण छोटे कैप के लिए मामूली आवंटन के लिए भी एक मार्ग है, जो फंड मैनेजर रिटर्न को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर उपयोग कर सकते हैं।

लार्ज कैप, जैसा कि नाम से पता चलता है, वे कंपनियां हैं जिनका बाजार मूल्यांकन 20,000 करोड़ रुपये से अधिक है। वे काफी बड़े और स्थापित हैं और अधिकांश मामलों में वे सेक्टर लीडर हैं। बड़े पैमाने पर व्यवसायों और स्वस्थ बैलेंस शीट के साथ, ऐसी कंपनियां निवेशक पोर्टफोलियो को स्थिरता प्रदान करती हैं क्योंकि वे प्रकृति में अपेक्षाकृत कम अस्थिर होती हैं। दूसरी ओर, मिडकैप वे कंपनियाँ हैं जिनका बाजार पूंजीकरण 5000 करोड़ रुपये से 20,000 करोड़ रुपये के ब्रैकेट में आता है। दूसरे शब्दों में, ऐसे व्यवसाय मध्यम आकार के होते हैं लेकिन भविष्य में बड़े व्यवसाय बनने की अपार संभावनाएं हैं। हालांकि उनके स्टॉक लार्ज-कैप की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक अस्थिर हैं, लेकिन उनके पास विकास की बहुत अधिक संभावनाएं हैं।

इसलिए, लार्ज और मिड कैप स्कीमें एक ही फंड में स्थिरता और विकास का शानदार संयोजन पेश करती हैं। इससे आपको अपना निवेश बढ़ाने में मदद मिलती है क्योंकि मध्यम आकार की कंपनियां भारत की अगली पीढ़ी के लार्ज कैप बनने की सीढ़ियां चढ़ती हैं, जबकि आज के बड़े व्यवसायों के संपर्क में आने से आपका पोर्टफोलियो अनावश्यक हिचकी से अपेक्षाकृत सुरक्षित रहता है। उन निवेशकों के लिए जो उचित सुरक्षा के साथ इक्विटी से मुद्रास्फीति को मात देने वाली पूंजी की सराहना चाहते हैं, इस श्रेणी के फंड पर विचार किया जा सकता है। विभिन्न विकल्पों में से, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज एंड मिड कैप फंड एक सुसंगत प्रदर्शनकर्ता रहा है और निवेश के लिए इस पर विचार किया जा सकता है। हालाँकि, चेतावनी यह है कि यह आवंटन दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य में किया जाना चाहिए।

बीडीआर फार्मास्यूटिकल्स ने फार्मा कंपनियों के लिए टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू किया

बीडीआर फार्मास्यूटिकल्स, पिछले 20 वर्षों में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों में उद्योग में एक मान्यता प्राप्त नाम है, जिसे फार्मास्युटिकल एपीआई और प्रसिद्ध नए युग के फॉर्मूलेशन के निर्माण में च्विशेषज्ञज्ञ खिलाड़ी के रूप में मान्यता प्राप्त है। देश की अन्य प्रमुख दवा कंपनियों के साथ अपनी स्थापित बिरादरी पर निर्माण करते हुए, कंपनी ने एक रोमांचक टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया है। इसका मुकाबला सात अन्य कंपनियों से होगा: सन फार्मा, एमी लाइफसाइंसेस, ल्यूपिन लिमिटेड, मेप्रो फार्मास्युटिकल्स, एपोथेकॉन फार्मास्युटिकल्स, सुदीप फार्मा और शिवा फार्माकेम।

टूर्नामेंट का उद्घाटन 5 अप्रैल को बीडीआर के निदेशक राहील शाह, बीडीआर ग्रुप के सीएमडी धर्मेश शाह और बीडीआर ग्रुप की सह-संस्थापक बिनीता शाह, गुजरात विधान सभा के माननीय सदस्य जयद्रथ सिंह परमार और कप्तानों और प्रबंधकों की अध्यक्षता में भव्य तरीके से हुआ। भाग लेने वाली टीमों में से। लीग चरण में 12 मैचों से मिलकर सेमीफाइनल और फाइनल (30 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा) जो सभी संग्रामसिंह गायकवाड़ स्पोर्ट्स अकादमी क्रिकेट ग्राउंड (वड़ोदरा में बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा मान्यता प्राप्त मैदान) में आयोजित किए जाएंगे। , टूर्नामेंट ने पहले ही फार्मा उद्योग के खिलाड़ियों को आकर्षित किया है और श्रमिकों का ध्यान और उत्साह प्राप्त किया है।

"क्रिकेट टूर्नामेंट हमेशा शामिल सभी के लिए रोमांचक होते हैं। वर्तमान क्रिकेट बुखार को ध्यान में रखते हुए हमने इसका उपयोग प्रमुख दवा कंपनियों के नेटवर्क को मजबूत करने के लिए गठजोड़ बनाने के लिए किया है जो वास्तव में इस क्षेत्र में भारत के योगदान का लाभ उठाएगा। खेल एक ऐसी चीज है जो लोगों को एक साथ लाता है और जब लोग सभी के स्वास्थ्य के लिए एक साथ आते हैं, तो टूर्नामेंट के विजेता की परवाह किए बिना यह हमारे लिए एक बड़ी जीत है।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)